epaper.dehatsandesh.com

3 राजौरी के जेएनवी कोटरांका में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

5 पिछे ग्रां प्री स्विस 2025 : महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर

8 फूलगोभी की उन्नत किस्में

मौसम जम्मू — न्यूनतम 26, अधिकतम 31

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष 22, जम्मू तवी, अंक 222 | जम्मू तवी, मंगलवार 9 सितम्बर 2025 | मूल्य- 3 रूपये (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

ब्रिक्स वर्चुअल शिखर सम्मेलन: भारत का यूएन में सुधार और तर्कसंगत व्यापार पर जोर

नई दिल्ली, 08 सितंबर । ब्रिक्स देशों के नेताओं के वर्चुअल शिखर सम्मेलन में भारत ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुधारों और देशों के बीच तर्कसंगत व्यापार पर जोर दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रतिनिधित्व करते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि व्यापार को गैर-व्यापारिक मुद्दों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए और विकासशील देशों के साथ व्यापार को विशेष और अगल स्थान देना चाहिए।

विदेश मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था को खुलेपन, निष्पक्षता, पारदर्शिता, भेदभावरहित रवैया और समावेशिता के अनुरूप बनाए रखना चाहिए। उन्होंने विकासशील देशों के लिए विशेष एवं भिन्न व्यवहार को संरक्षण देने पर जोर दिया।

उनके अनुसार विश्व को स्थिर और भरोसेमंद व्यापार और निवेश वातावरण चाहिए। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए उत्पादन और विनिर्माण को विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में प्रोत्साहित करना जरूरी है। इससे क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता बढ़ेगी और अनिश्चित परिस्थितियों में आशंकाएं कम होंगी।

जयशंकर ने कहा कि वैश्विक व्यापार को बढ़ाने के लिए सहयोगी दृष्टिकोण आवश्यक है। अनावश्यक बाधाएं

खड़ी करना या व्यापार को गैर-व्यापार मुद्दों से जोड़ना उचित नहीं होगा।

उन्होंने सुझाव दिया कि ब्रिक्स देश आपसी व्यापार प्रवाह की समीक्षा कर पूरी दुनिया के लिए उदाहरण स्थापित कर सकते हैं।

विदेश मंत्री ने वर्चुअल संबोधन में कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के कामकाज में हाल के वर्षों में गंभीर कमियां उजागर हुई हैं, जिसने साझा समाधान की प्रक्रिया को बाधित किया है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र और उसकी सुरक्षा परिषद में सुधार की जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। उन्होंने सुझाव दिया कि आगामी संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र में इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया जाना चाहिए।

विदेश मंत्री ने इस बात पर चिंता जताई कि जलवायु कार्यवाही और जलवायु न्याय को वैश्विक प्राथमिकताओं में पीछे धकेल दिया गया है।

उन्होंने दुनियाभर में चल रहे संघर्षों के शीघ्र समाधान की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विशेषकर ग्लोबल साउथ की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इन संघर्षों ने खाद्य, ऊर्जा और उर्वरक सुरक्षा को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आंशिक या चयनात्मक सुरक्षा उपाय वैश्विक संकट का स्थायी समाधान नहीं हो सकते।

कुलगाम मुठभेड़ में आतंकी ढेर, जेसीओ समेत 3 सैन्यकर्मी घायल

कुलगाम, 08 सितंबर । दक्षिण कश्मीर के कुलगाम ज़िले के गुड्डार इलाके में सोमवार को हुई मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि एक जूनियर कमीशंड अधिकारी समेत तीन सैन्यकर्मी घायल हो गए।

एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि इलाके में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद गुड्डार इलाके में पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई थी।

मुठभेड़ के दौरान मारे गए आतंकवादी की पहचान नहीं हो सकी है, जबकि घायल हुए एक जेसीओ समेत तीन सैन्यकर्मियों में से एक की हालत गंभीर है। समाचार लिखे जाने तक अभियान जारी था।

भारतीय सेना की चिनार कोर ने एक बयान में कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस से मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ श्रीनगर ने कुलगाम के गुड्डर जंगल में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया। सतर्क जवानों ने संदिग्ध गतिविधि देखी और चुनौती दिए जाने पर आतंकवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद भीषण गोलीबारी हुई, जिसमें एक आतंकवादी मारा गया और एक जूनियर कमीशन अधिकारी घायल हो गया।

डोडा में आप विधायक मेहराज मलिक को पीएसए के तहत हिरासत में लिया गया

डोडा , 8 सितंबर । जम्मू-कश्मीर के आप प्रमुख और विधायक मेहराज मलिक को सोमवार को डोडा जिले में कथित तौर पर सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने के आरोप में कड़े जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा विधायक को जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत हिरासत में लिया गया है। यह एक प्रशासनिक कानून है जो कुछ मामलों में बिना आरोप या मुकदमे के दो साल तक की हिरासत की अनुमति देता है। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले दिन में 37 वर्षीय आप विधायक को पुलिस ने डाक बंगले में उस समय हिरासत में लिया जब वह अपने निर्वाचन क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने की योजना बना रहे थे। उन्होंने बताया कि बाद में पुलिस द्वारा उनके खिलाफ एक डोजियर तैयार करने के बाद डोडा के उपायुक्त हरविंदर सिंह के आदेश पर उन्हें जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत भद्रवाह जिला जेल स्थानांतरित कर दिया गया। अपने बयानों से अक्सर विवादों में रहने वाले मलिक के खिलाफ यह कार्रवाई सरकारी कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच हुई है। ये कर्मचारी डिप्टी कमिश्नर के समर्थन में सामने आए हैं जब मलिक ने सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ अपमानजनक अभियान चलाया था।प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने विधायक पर डॉक्टरों सहित वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को 卐आदतन卐 गालियाँ देने और युवाओं को सरकारी तंत्र के खिलाफ भड़काने का आरोप लगाया। एक बयान में, प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने डिप्टी कमिश्नर की असाधारण सेवा, ईमानदारी और जन कल्याण के प्रति समर्पण के लिए उनकी सराहना की और कहा कि उनके दयालु रवैये ने उन्हें सामान्य रूप से डोडा के निवासियों और विशेष रूप से बाढ़ प्रभावित आबादी के लिए आशा की किरण बना दिया है उन्होंने अधिकारी के खिलाफ अपमानजनक भाषा और निराधार आरोपों के इस्तेमाल की निंदा करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और अस्वीकार्य बताया और विधायक के असभ्य और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार की निंदा की।अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक साल में मलिक के खिलाफ उनके असभ्य व्यवहार और पहाड़ी जिले में सरकारी अधिकारियों के साथ मारपीट के दर्जनों मामले और शिकायतें दर्ज हैं।

उपराज्यपाल ने जम्मू विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह को संबोधित किया

जम्मू, 08 सितम्बर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य वक्तव्य दिया। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने जम्मू विश्वविद्यालय से आह्वान किया कि वह संरक्षण हेतु नवाचार और अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करे, शिक्षा में सस्टेनेबिलिटी को एकी.त करे तथा छात्रों को उभरती चुनौतियों का सामना करने और विकसित भारत निर्माण में योगदान देने के लिए तैयार करे। उपराज्यपाल ने कहा हमारे युवाओं को ऐसा विकास आगे बढ़ाना चाहिए जो समाज की आवश्यकताओं को तो पूरा करे परंतु पारिस्थितिकी तंत्र से समझौता न करे। हमें आधुनिक नवाचारों के माध्यम से संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग करना होगा। भविष्य की पीढ़ियों के लिए धरती को बेहतर बनाने हेतु बहुआयामी .ष्टिकोण अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे युवाओं को इस जिम्मेदारी में मार्गदर्शन प्रदान करें कि विकास और प्र.ति में संतुलन बना रहे। उन्होंने कहा कि धरती मां की रक्षा करना और समाज के सभी स्तरों पर पर्यावरणीय जागरूकता का प्रसार करना हमारी साझा जिम्मेदारी है। उपराज्यपाल ने जम्मू विश्वविद्यालय के उपकुलपति, शिक्षकों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि उन्हें नये एवं चुनौतीपूर्ण लक्ष्यों को तय कर उन्हें उत्साह एवं नये संकल्प के साथ प्राप्त करने के लिए कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा आज का अवसर आत्मचिंतन, आत्मविश्लेषण और आत्ममंथन का भी अवसर है। मुझे गर्व है कि हमारे विश्वविद्यालयों ने हाल ही में जारी एनआईआरएफ-2025 रैंकिंग्स में उ.ष्ट उपलब्धियां हासिल की हैं।

> **“ हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को बेहतर बनाने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है: उपराज्यपाल सिन्हा**

उपराज्यपाल ने प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त किया

श्रीनगर, 8 सितंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नव स्थापित श्री माता वैष्णो देवी चिकित्सा उत्कृष्टता संस्थान के लिए 50 एमबीबीएस सीटें स्वीकृत करने हेतु माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा का आभार व्यक्त किया है। एक्स पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श जे.पी. नड्डा के प्रति आभार, जिन्होंने नव स्थापित श्री माता वैष्णो देवी चिकित्सा उत्कृष्टता संस्थान के लिए 50 एमबीबीएस सीटें स्वीकृत कीं।

पुरमंडल-बड़ी ब्राह्मणा मार्ग पर मलबा गिरने से यातायात ठप

जम्मू,, 8 सितंबर। पुरमंडल-बड़ी ब्राह्मणा सड़क मार्ग पर मलबा गिरने से स्थानीय लोगों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। धर्मशाला सहित कई स्थानों पर मलबा गिरने से गाड़ियों की आवाजाही बाधित हो गई है।

लोगों ने प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि लोक निर्माण विभाग मलबा हटाने में लापरवाही बरत रहा है।

लोगों का कहना है कि लगातार बारिश से सड़क बार-बार बंद हो रही है। हाल ही में एक महिला की समय पर अस्पताल न पहुँच पाने से मौत भी हो गई, जबकि कई बीमार लोगों को भी इलाज के लिए परेशानी झेलनी पड़ी।

मुख्य सचिव ने मिशन युवा के क्रियान्वयन की समीक्षा की

श्रीनगर, 08 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू में मिशन युवा की एपैक्स स्तरीय समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान मिशन की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई और पूरे केंद्र शासित प्रदेश में इसके क्रियान्वयन की गति तेज़ करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में श्रम एवं रोजगार सचिव कुमार राजीव रंजन, वित्त विभाग के प्राचार्य सचिव संतोष डी. वैद्य, विभिन्न विश्वविद्यालयों के उपकुलपति, आयुक्त सचिव एचयूडीडी, आयुक्त सचिव उद्योग एवं वाणिज्य, आयुक्त सचिव सहकारिता, सचिव आरडीडी, आईआईएम जम्मू के निदेशक, विभिन्न जिलों के उपायुक्त, महाविद्यालयों के निदेशक, सीईओ सिटैग, जम्मू-कश्मीर बैंक, नाबार्ड, आईआईटी जम्मू के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य सचिव ने मिशन के प्रदर्शन की समीक्षा करते हुए कहा कि विशेष संभावित समूहों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है, जिनमें कॉलेज छात्र, स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं विशेषकर 卐लखपति दीदी卐, विश्वकर्मा प्रायोजित कारीगर तथा मौजूदा नैनो-उद्यम शामिल हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि विभाग यह सुनिश्चित करें कि डीपीआर अत्यंत सावधानी से तैयार किए जाएं, ताकि व्यवसाय विफलता का जोखिम न्यूनतम हो। उन्होंने पात्र आवेदकों की निरंतर क्षमता निर्माण और परियोजना प्रबंधन इकाई में दक्ष जनशक्ति की नियुक्ति पर विशेष बल दिया। मुख्य सचिव ने बैंकों से लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने और आवेदकों को डीपीआर तैयार करने में सक्रिय सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

गुणवत्ता, क्षमता निर्माण और समय पर ऋण प्रवाह पर दिया जोर दिया

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एम्स अवंतीपोरा कार्यों की प्रगति की समीक्षा की, समय पर पूरा करने का निर्देश

अवंतीपोरा 08 सितंबर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पुलवामा के अवंतीपोरा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान कश्मीर के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु बैठक की अध्यक्षता की।

इस दौरान उनके साथ स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू, मुख्यमंत्री के सलाहकार नसीर असलम वानी, मुख्य सचिव अटल डुल्लू, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, एम्स अवंतीपोरा के कार्यकारी निदेशक डॉ. एस. मोहंती, विभाजन आयुक्त कश्मीर अंशुल गर्ग, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा सचिव डॉ. सैयद आबिद राशिद, उपायुक्त पुलवामा डॉ. बशारत क़य्यूम तथा निष्पादन एजेंसी एनसीसी लिमिटेड के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उन्होंने स्थलीय निरीक्षण कर परियोजना की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अवसंरचना विकास, मशीनरी की खरीद, कार्यबल की तैनाती और अन्य संबद्ध कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि इस प्रतिष्ठित परियोजना के समयबद्ध पूरा होने के लिए तय समयसीमा का कड़ाई से पालन आवश्यक है। उन्होंने निष्पादन एजेंसी को सभी लंबित कार्यों को शीघ्र गति से पूरा करने और तय समय सीमा में समाप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि एम्स अवंतीपोरा को एकीकृत इकाई के रूप में चालू किया जाना चाहिए, ताकि जनसाधारण के हित में ओपीडी और आईपीडी दोनों सेवाएँ एक साथ शुरू की जा सकें। इसके लिए उन्होंने एजेंसी को पखवाड़ेवार प्रगति की समीक्षा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने एजेंसी को अतिरिक्त जनशक्ति और मशीनरी जुटाकर कार्य की गति तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल की मुख्य इमारत, प्राथमिक कार्य, सड़क संपर्क, जलापूर्ति, अंतिम मास्टर प्लान, आपात विभाग तक पहुंच मार्ग और अन्य सुविधाओं सहित परियोजना की भौतिक और वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

उपायुक्त ने बारिश से हुए नुकसान का आकलन करने हेतु रणबीर नहर का निरीक्षण किया

जम्मू, 08 सितंबर। उपायुक्त डॉ. राकेश मन्हास ने हाल ही में हुई लगातार बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने हेतु रणबीर नहर का निरीक्षण किया।

उन्होंने पवन आइसक्रीम से लेकर बेली चराना तक के क्षेत्रों का दौरा किया और नहर, साइफन, वितरिकाओं और तटबंधों की स्थिति की समीक्षा की।

उपायुक्त ने सिंचाई और बाढ़ सुरक्षा के लिए निर्बाध जलमार्ग सुनिश्चित करने हेतु उचित गाद निकालने, नहर के किनारों को मजबूत करने और स्लुइस गेटों और आउटलेट्स की शीघ्र मरम्मत की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने बताया कि नहर की तत्काल मरम्मत और प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष के तहत 20 लाख रुपये जारी किए गए हैं। उनके साथ सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के दोनों सिंचाई प्रभागों के कार्यकारी अभियंता राजीव घई और देस राज शर्मा तथा सहायक अभियंता भी थे।

उपराष्ट्रपति चुनाव : सत्ता और विपक्षी दलों के सांसदों ने ली वोट डालने की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, 8 सितंबर। देश के 17वें उपराष्ट्रपति चुनने के लिए 9 सितंबर यानि मंगलवार को वोटिंग होगी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की तरफ से सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी इंडी गठबंधन की ओर से उम्मीदवार पी सुदर्शन रेड्डी मैदान में हैं। वोटिंग के लिए राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है। मतदान संसद भवन के कमरा नंबर एफ-101, वसुधा में मंगलवार की सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक होगा। वोटों की गिनती शाम छह बजे शुरू होगी। उसके बाद विजयी उम्मीदवार की घोषणा की जाएगी।

इस बीच सोमवार का दिन एनडीए और इंडी गठबंधन के लिए काफी गहमागहमी भरा रहा। सुबह 12 बजे इंडी गठबंधन के सांसदों ने मॉक वोटिंग करके के सही मतदान करने की ट्रेनिंग ली। तो शाम तीन बजे संसद परिसर में एनडीए के सांसदों ने कार्यशाला में वोटिंग की बारीकियों से रुबरू हुए ताकि कल मतदान के दिन कोई गलती न हो या फिर कोई वोट गलती से अमान्य न हो ।

दरअसल, उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान गुप्त तरीके से सिंगल ट्रांसफरेबल वोट सिस्टम के जरिए होता है। मतपत्र सफेद रंग के होते हैं, जिसमें दो कॉलम रहते हैं। एक कॉलम में हिंदी और अंग्रेजी में उम्मीदवारों के नाम और दूसरे कॉलम में वोट देने के लिए जगह खाली रहता है। खाली जगह पर वोटरों को अपनी प्राथमिकता दर्ज करनी होती है। उपराष्ट्रपति चुनावी मैदान में ये हैं उम्मीदवार एनडीए की तरफ से सीपी राधाकृष्णन और विपक्षी गठबंधन की ओर से उम्मीदवार पी सुदर्शन रेड्डी मैदान में हैं।

प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार को हिमाचल-पंजाब का करेंगे दौरा, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का लेंगे जायजा

नई दिल्ली, 08 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को हिमाचल प्रदेश और पंजाब का दौरा करेंगे और दोनों राज्यों में आई बाढ़ की स्थिति का जायजा लेंगे।

सरकारी सूत्रों के अनुसार मोदी दोपहर 1:30 बजे हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा पहुंचेंगे, जहां वह उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे और एनडीआरएफ, एसडीआरएफ एवं आपदा मित्र टीमों के साथ बातचीत करेंगे। इसके बाद वह राज्य के बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण भी करेंगे। दोपहर तीन बजे प्रधानमंत्री पंजाब के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। इसके बाद शाम 4:15 बजे वह गुरदासपुर पहुंचेंगे, जहां वह ज़मीनी स्तर पर स्थिति की समीक्षा करेंगे। इस दौरान वह वरिष्ठ अधिकारियों, प्रभावित परिवारों और राहत-बचाव कार्य में लगी टीमों से भी बातचीत करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह सीधा निगरानी दौरा दोनों राज्यों के लोगों को त्वरित राहत और पुनर्वास उपलब्ध कराने की उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हिमाचल प्रदेश में विपक्ष के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने एक बयान में प्रधानमंत्री की यात्रा का स्वागत करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का आभार कि उन्होंने अपने निर्धारित कार्यक्रम से समय निकालकर यहां आने का निर्णय लिया।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं- विरूपाक्ष मन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्रा बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किन्धा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंदी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिल्कुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रणागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तुकला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तुकला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। वित्रल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों में से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फर्ग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के वित्रल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्ष मन्दिर

विरुपाक्ष मन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्ष मंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्ध सिंह और अर्ध मनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बे वाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्ग मीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्तशिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तेमाल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्टूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झूंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

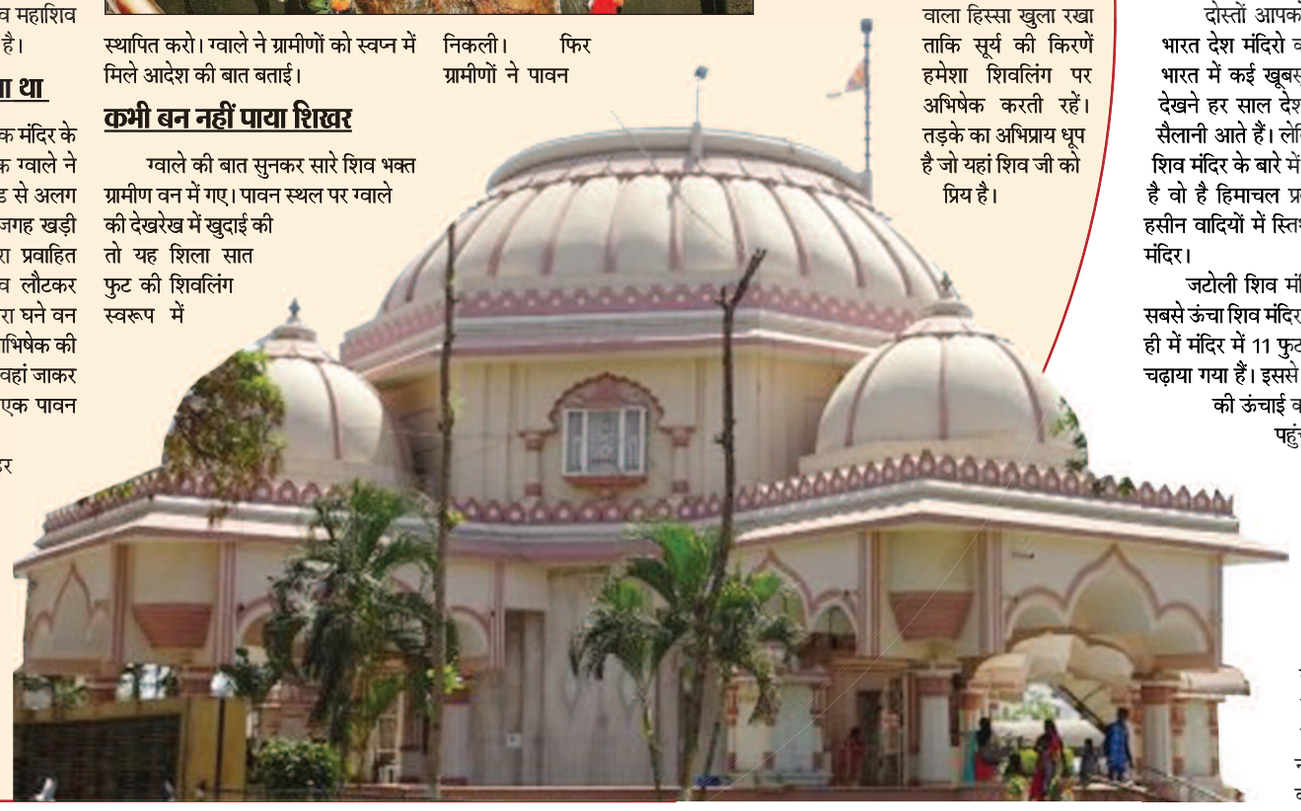

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 कि लो मी ट र दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्क़ाशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जीसीओई जम्मू में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस धूमधाम से मनाया गया

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जीसीओई) जम्मू में अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में शिक्षा और साक्षरता के महत्व को रेखांकित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्रिंसिपल प्रो. डॉ. ज्योति परिहार और भारतीय स्काउट्स एवं गाइड्स जम्मू-कश्मीर यूनिट की स्टेट कमिश्नर प्रो. डॉ. रेनू नंदा मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम के दौरान निबंध लेखन प्रतियोगिता, स्टोरीटेलिंग प्रतियोगिता, वॉल ऑफ फेम निर्माण, बुक बैंक निर्माण और रोवर रेंजर यूनिट के लिए स्वयंसेवकों का नामांकन जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर अपनी रचनात्मकता और साहित्यिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में तंशिक सुम्बरिया प्रथम, पीहू और मानवी शर्मा द्वितीय तथा सिमरनजीत कौर तृतीय रहीं। वहीं स्टोरीटेलिंग प्रतियोगिता में मृणाली और सैयूषी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

कार्यक्रम में डॉ. रेनू नंदा ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की और साक्षरता को व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने रोवर रेंजर यूनिट का शुभारंभ भी किया, जिससे कॉलेज के छात्रों को सामुदायिक सेवा, नेतृत्व और कौशल विकास के नए अवसर मिलेंगे। प्रिंसिपल डॉ. ज्योति परिहार ने एनएसएस टीम की सराहना करते हुए कहा कि यह यूनिट विद्यार्थियों को समाज सेवा और व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित करेगी। इस दौरान रेंजर्स को उनकी सामुदायिक गतिविधियों के लिए सम्मानित भी किया गया।

गुज्जरों और बक्करवाल समुदायों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन

राजौरी, 8 सितंबर (हि.स.)। भारतीय सेना ने बेहरामगला में गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के सदस्यों के साथ एक संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदायों को वन अधिकार अधिनियम के प्रावधानों के बारे में शिक्षित करना, डेरा प्रवास प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और उनके सामने आने वाली किसी भी कठिनाई को कम करने में सहायता करना था।

यह अनूठी पहल गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आपसी समझ को बढ़ावा देने, इन जीवंत सांस्कृतिक समूहों के बीच बेहतर सामंजस्य और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। इस संवाद ने एक-दूसरे के रीति-रिवाजों और परंपराओं के प्रति गहरी समझ विकसित करने का अवसर प्रदान किया जिससे शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम में गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के कुल 70 सदस्यों ने भाग लिया जिनमें 40 पुरुष और 30 बच्चे शामिल थे।

रोटरी क्लब जम्मू तवी और जीजीएम साइंस कॉलेज में शिक्षकों का किया सम्मान

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। रोटरी क्लब जम्मू तवी ने जीजीएम साइंस कॉलेज के सहयोग से कॉलेज परिसर में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव व वित्त आयुक्त शातिमनु (आईएएस) उपस्थित रहे, जबकि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रोमेश कुमार गुप्ता विशेष अतिथि थे। रोटरी क्लब जम्मू तवी की अध्यक्ष डॉ. शिवानी चौधरी और रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3070 के पीडीजी डॉ. दुश्यंत चौधरी भी मंच पर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जम्मू संभाग के शिक्षकों को शिक्षा क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड एम्स के कार्यकारी निदेशक, जम्मू के बेटे, डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता को चिकित्सा क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए प्रदान किया गया। इसके अलावा, डॉ. ज्योत्स्ना सूरी, डॉ. सुनील गुप्ता, डॉ. जोगिंदर सिंह, डॉ. पंकज भदौरिया, डॉ. कुलदीप रैना और डॉ. पंकज गुप्ता को चिकित्सा, गणित, डोगरी, भौतिकी, संगीत और रसायन शास्त्र जैसे विविध क्षेत्रों में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कॉलर सेरेमनी और राष्ट्रगान से हुई। डॉ. संध्या भारद्वाज ने सभी पुरस्कार विजेताओं का परिचय प्रस्तुत किया, जबकि डॉ. बानप्रीत कौर ने डॉ. शक्ति कुमार गुप्ता के जीवन व योगदान पर प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए शातिमनु ने शिक्षकों को राष्ट्र निर्माता बताया और डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल करियर ही नहीं गढ़ते, बल्कि समाज की नैतिक और सांस्कृतिक संरचना को भी आकार देते हैं। वहीं, डॉ. शिवानी चौधरी ने रोटरी क्लब की ओर से शिक्षकों को समाज के निर्माता मानते हुए डॉ. राधाकृष्णन की समग्र शिक्षा की परिकल्पना को दोहराया। समारोह का आयोजन रोटरी क्लब जम्मू तवी की साहित्यिक समिति के सहयोग से हुआ, जिसमें कॉलेज का स्टाफ, छात्र और रोटरी क्लब के कार्यकारी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सचिव प्रो. आर. एस. जम्वाल ने प्रस्तुत किया

राजौरी के जेएनवी कोटरांका में वृक्षारोपण अभियान का आयोजन

राजौरी, 8 सितंबर (हि.स.)। पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने और समुदाय को हरित एवं स्वस्थ भविष्य की दिशा में सक्रिय कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु एक वृक्षारोपण अभियान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हरित क्षेत्र को बढ़ाकर वनों की कटाई, वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी पर्यावरणीय समस्याओं से निपटना था। इस पहल ने पर्यावरण संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी की भूमिका पर प्रकाश डाला। इसने एक अनुस्मारक के रूप में कार्य किया कि छोटे-छोटे प्रयास जब सामूहिक रूप से किए जाते हैं तो महत्वपूर्ण सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

वृक्षारोपण अभियान का समापन सभी उपस्थित लोगों द्वारा प्रकृति की रक्षा और संरक्षण जारी रखने की शपथ के साथ हुआ।

बाढ़ प्रभावित लोगों को सरकार की तरफ से मिले जल्द उचित मुआवजा : मोहन चौधरी

आरएस पुरा, 8 सितंबर (हि.स.)। किसान नेता चौधरी मोहन सिंह ने केंद्र तथा जम्मू कश्मीर सरकार से मांग करते हुए कहा है कि जिन किसानों की फसल को बाढ़ एवं बारिश के कारण नुकसान हुआ है उन किसानों को सरकार की तरफ से जल्द से जल्द उचित मुआवजा मिलना चाहिए। इसके अलावा जिन परिवारों के कच्चे मकान बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हुए हैं या फिर लोगों को कोई अन्य नुकसान हुआ है उसकी भी भरपाई सरकार को जल्द से जल्द करने की जरूरत है।

आरएस पुरा में आयोजित एक पत्रकार वार्ता के दौरान किसान नेता चौधरी मोहन सिंह ने कहा कि 26 अगस्त को आई भयानक बाढ़ के कारण जम्मू संभाग के किसानों की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। खासकर आरएस पुरा की बासमती बाढ़ की चपेट में आकर पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार को जल्द से जल्द खराब हुई फसलों के बारे में सूची तैयार करनी चाहिए और किसानों को उसका मुआवजा देना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने जम्मू कश्मीर के सभी मौजूदा विधायकों, पूर्व मंत्रियों तथा पूर्व विधायकों से अपील करते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में सभी लोग कम से कम दो महीने की अपनी वेतन राहत कोष में भेंट करें ताकि लोगों को कुछ हद तक राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि कुछ विधायक इसके लिए आगे भी आए हैं जिसकी वह प्रशंसा करते हैं।

राष्ट्रीय प्रतीक के अपमान पर भाजपा ने की सख्त कार्रवाई की मांग

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रवक्ता और जम्मू की पूर्व उपमहापौर अधिवक्ता पूर्णिमा शर्मा ने राष्ट्रीय प्रतीक के कथित अपमान की घटना की कड़ी निंदा की है और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है। प्रेस को जारी बयान में पूर्णिमा शर्मा ने मामले में दर्ज की गई एफआईआर का स्वागत किया, लेकिन इसे पहला कदम बताते हुए कहा कि इसमें शामिल लोगों की तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा, कानून को अपना काम करना चाहिए और इस मामले में किसी तरह की ढिलाई नहीं बरती जानी चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता ने उन राजनीतिक नेताओं पर भी निशाना साधा जिन्होंने आरोपियों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कृत्यों को समर्थन देना भी समान रूप से निंदनीय है और ऐसे लोगों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। शर्मा ने विपक्षी इंडी गठबंधन की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक का अपमान पूरे देश ने देखा, लेकिन विपक्ष खामोश रहा।

आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताई, सरकार से सतर्क रहने का आग्रह किया

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जम्मू-कश्मीर के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रदीप महोत्रा ने आवश्यक वस्तुओं, खासकर सब्जियों और फलों की कीमतों में तेज वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त की है, जिसका जम्मू-कश्मीर के आम घरों पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है डॉ. प्रदीप महोत्रा ने कहा कि लगातार बारिश और बाढ़ ने निस्संदेह पूरे क्षेत्र में फसलों, घरों, सड़कों, पुलों और परिवहन नेटवर्क को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुँचाया है, लेकिन अब अनियंत्रित मूल्य वृद्धि से यह संकट और भी बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि आपूर्ति श्रृंखलाएँ बुरी तरह बाधित हो गई हैं, फसलें बर्बाद हो गई हैं और दैनिक आवश्यक वस्तुओं की असहनीय कीमतों के बोझ तले आम नागरिकों की जेबें खाली हो रही हैं।

पुलिस ने जौरियां में भैंस चोर को पकड़ा और कुछ ही घंटों में चोरी हुए गोवंश बरामद किए

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। एक त्वरित और प्रभावी कार्रवाई में जौरियां पुलिस चौकी ने एक भैंस चोर को गिरफ्तार किया और अपराध के कुछ ही घंटों के भीतर चोरी हुए गोवंश को सफलतापूर्वक बरामद कर लिया।

आरोपी की पहचान मुराद अली पुत्र गुलाब दीन निवासी ऐजल मलाल के रूप में हुई है जो 6 सितंबर, 2025 को दर्ज एफआईआर संख्या 164/2025 अंडर सेक्शन 303(2) बीएनएस के संबंध में वांछित था। पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी 6 सितंबर को दो भैंसों की चोरी में शामिल था। मामले पर त्वरित कार्रवाई करते हुए जौरियां पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और चोरी हुए गोवंश की सुरक्षित बरामदगी सुनिश्चित की।

उच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री राहत कोष में 54,40,500 रुपये का दान दिया

श्रीनगर, 8 सितंबर (हि.स.)। एकजुटता और सहानुभूति के प्रतीक के रूप में उच्च न्यायालय ने आज क्षेत्र में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों के पुनर्वास और कल्याण के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) को 54,40,500 रुपये का चेक सौंपा। न्यायपालिका ने क्षेत्र में हाल ही में आई विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित लोगों की सहायता के उद्देश्य से यह नेक कदम उठाया चेक औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री को इस आश्वासन के साथ भेंट किया गया कि यह योगदान हालांकि मामूली है पूरे न्यायिक समुदाय के हार्दिक समर्थन को दर्शाता है। न्यायालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जीवन के पुनर्निर्माण और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सामूहिक कार्रवाई आवश्यक है।

नि:शुल्क न्यूरोपैथिक फिजियोथेरेपी शिविर

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। **अंतरराष्ट्रीय फिजियोथेरेपी दिवस** के अवसर पर गांधी नगर स्थित ग्रीन बेल्ट पार्क में डॉ. निधि गोयल के नेतृत्व में एक नि:शुल्क न्यूरोपैथिक फिजियोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य न्यूरोपैथिक दर्द के प्रबंधन में फिजियोथेरेपी की भूमिका के प्रति जागरूकता फैलाना था।

शिविर का उद्घाटन भाजपा जम्मू-कश्मीर की उपाध्यक्ष रेखा महाजन ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। इस मौके पर इनर व्हील न्यू ज़ेन क्लब की सदस्याओं ने भी उन्हें सम्मानित किया। शिविर में विभिन्न आयु वर्ग के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विशेषज्ञों से परामर्श लिया।

प्रतिभागियों को नि:शुल्क परामर्श और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया, जिसमें न्यूरोपैथिक दर्द, जोड़ों की जकड़न, गलत आसन और गतिशीलता से जुड़ी समस्याओं से निपटने के उपायों पर विशेष जानकारी दी गई।

इसके साथ ही जागरूकता सत्रों के माध्यम से रोकथाम, व्यायाम और जीवनशैली में बदलावों की अहमियत पर भी प्रकाश डाला गया। डॉ. निधि गोयल ने कहा कि अक्सर लोग न्यूरोपैथिक दर्द से जूझते हैं परंतु उन्हें यह जानकारी नहीं होती कि फिजियोथेरेपी उनकी तकलीफ को काफी हद तक कम कर सकती है। इस शिविर का उद्देश्य समुदाय तक पहुँचकर उन्हें जागरूक करना और मुफ्त परामर्श उपलब्ध कराना था।

सुरेश शर्मा ने विधानसभा छंब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुकसान का लिया जायज़ा

अखनूर, 8 सितंबर (हि.स.)। भाजपा नेता एवं जिला विकास परिषद के सदस्य पंडित सुरेश शर्मा ने विधानसभा छंब की पंचायत कनेडी, घार, मजूर, धन्ना जलाडा, गराटल, कठार कयूर में दौरा कर भारी बारिश से हुए नुकसान का जायजा लिया।

सुरेश शर्मा ने लोगों से मुलाकात कर उनकी परेशानियों को सुना। लोगों ने बताया कि अभी तक हमारे पास प्रशासन का कोई भी अधिकारी नहीं पहुंचा है ना ही कोई टेंट बगैरा दिया गया है। घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जमीन बर्बाद हो चुकी है। लोगों ने सुरेश शर्मा को बताया कि ना ही हमारे पास कोई रहने के लिए जगह बची है और ना ही खेतीबाड़ी करने के लिए जमीन बची है। सुरेश शर्मा ने लोगों की सभी परेशानियों को बड़ी गंभीरता से सुना और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा सुरेश शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार के समक्ष पुरजोर मांग रहेगी कि लोगों को रहने के लिए सुरक्षित जगह पर जमीन आवंटित की जाए व आर्थिक सहायता के तौर पर राशि मुहैया करवाई जाए ताकि लोगों को राहत मिल सके।

इसके अलावा सुरेश शर्मा ने कहा कि भारी बारिश से हर तरफ लोगों को बहुत ही नुकसान झेलना पड़ा है। कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं, फसलें तबाह हो चुकी हैं, रोड टूटने से लोगों का संपर्क टूट चुका है, पानी की पाईपें और बिजली के खंभे बह चुके हैं जिसकी बहाली के लिए हम निरंतर प्रशासन से संपर्क बनाए हुए हैं। इस मौके पर भाजपा नेता डॉ. रामलाल शर्मा, मंडल अध्यक्ष गुलशन कुमार, पूर्व सरपंच हरबंस लाल, पूर्व सरपंच चुन्नीलाल, बोधराज, कैप्टन जगदीश शर्मा, सरदारी लाल, बाबू राम, संदीप शर्मा व अन्य लोग उपस्थित रहे।

बाबा खाटू श्याम जी की विशाल शोभा यात्रा निकाली

आरएस पुरा, 8 सितंबर (हि.स.)। आरएस पुरा कस्बे स्थित देवी द्वारा मंदिर से सोमवार को बाबा खाटू श्याम जी की एक विशाल शोभा यात्रा निकाली गई जो देवी द्वारा मंदिर से शुरू हुई और कस्बे के हनुमान चौक, दलजीत चौक, शहीद देविंदर सिंह चौक तथा पुराना पिंड से होते हुए देवी द्वारा मंदिर में जाकर संपन्न हुई। शोभा यात्रा में काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लेकर बाबा खाटू श्याम जी का गुणगान किया और बताया कि हर वर्ष स्थानीय श्रद्धालुओं की तरफ से बाबा खाटू श्याम जी की भव्य शोभा यात्रा निकाली जाती है जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं और अपनी आस्था का परिचय देते हैं। इस मौके पर बाजार एसोसिएशन के प्रधान सचिन चोपड़ा, एप्पल गुप्ता आदि ने बताया कि हर वर्ष बाबा खाटू श्याम जी की भव्य शोभा यात्रा सभी भक्तों की तरफ से निकाली जाती है। उन्होंने कहा कि बाबा खाटू श्याम जी के प्रति लगातार श्रद्धालुओं में भक्ति भाव देखने को मिल रहा है और आर एस पुरा कस्बे के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों से भी श्रद्धालु इस शोभा यात्रा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं

TENTH DAY/KRIYA

With profound grief & sorrow we inform the sad demise of our mother Late Smt. Geeta Devi W/o Late Sh. Ram Nath R/o H.No.433-A, Digiana Ashram, Jammu who left for heavenly abode on 31-08-2025.
TENTH DAY will be performed on Tuesday 09-09-2025 at our residence. **Kriya** will be performed on **Wednesday 10**-09-2025 at our residence.
GRIEF STRICKEN: **Son & Daughter-in-law**
Sh. Vinayak Sharma & Smt. Sushma
Daughter & Sons-in-law
Smt. Anju & Ashwani Sharma
Smt. Anchal & Sh. Rakesh Sharma
Smt. Anu & Surinder Sharma
Smt. Renu & Sh. Raj Kumar Sharma
Smt. Ritu & Sh. Harish Sharma
Mannat & Vedika Sharma - **Grand Children**
Mobile No: 9419237053

Late Smt. Geeta Devi

साइबर सेल जम्मू ने सात लाख बासठ हज़ार छह सौ तीन रुपये 7,62,603 की राशि बरामद की

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। ऑनलाइन/ऑफलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों से निपटने के लिए समर्पित इकाई साइबर सेल डीपीओ जम्मू जो आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात अथक प्रयास कर रही है ने एक बार फिर अलग-अलग साइबर अपराध शिकायतों में धोखेबाजों से 7,62,603 रुपये की राशि सफलतापूर्वक वसूल की है। ये धोखेबाज ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश के संबंध में अलग-अलग हथकंडे अपनाकर लोगों को धोखा देते थे और पीड़ितों से पैसे ऐंठते थे।

सेना ने पूर्व सैनिकों और वीर नारियों से की मुलाकात

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। भारतीय सेना ने थाना थठरी स्थित कंपनी ऑपरेटिंग बेस पर पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के साथ एक विशेष संवाद बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति सेना की प्रतिबद्धता को दोहराना था।

बैठक में क्षेत्र से 24 पूर्व सैनिक और एक वीर नारी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने सेना प्रतिनिधियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और कई मुद्दे उठाए। इनमें कल्याणकारी लाभों तक पहुँच में आ रही कठिनाइयाँ, शिकायतों के समय पर निवारण की आवश्यकता और हालिया बाढ़ से उत्पन्न समस्याएँ प्रमुख रहीं।

सेना अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी संभव सहायता प्रदान की जाएगी और इन मुद्दों को नागरिक प्रशासन एवं सरकारी एजेंसियों के साथ मिलकर प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा।

इस अवसर ने सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों और वीर नारियों के बीच भावनात्मक संबंध को और मजबूत किया तथा सेना के उस आदर्श को रेखांकित किया कि, एक बार सैनिक, हमेशा सैनिक।

कार्यक्रम का समापन विश्वास और आश्वासन की नई भावना के साथ हुआ, जहाँ सेना ने पुन: यह वचन दोहराया कि वह हर परिस्थिति में पूर्व सैनिक समुदाय और वीर नारियों के साथ खड़ी रहेगी।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU
NOTICE INVITING TENDER
(Short Term)

MHDJ/e-NIT 194 of 2025-26 **Dated:06.09.2025**
Due : 15.09.2025

On behalf of the President of India, e-tenders in two cover system on turnkey basis are invited from OEM /OEM Authorized Registered & Reputed firms having sufficient relevant experience of similar nature work having **Average Annual Turnover of not less than 3.50 crore during the last three years for the work mentioned below**:

S No	Description of work	Project Authority	Estt	AAA/ TS	Earnest Money Deposit	Cost of tender document	Time of completion	Eligibility Criterion of Bidder
1	Additional Work of DSITC of MBBR based CETP of 650 KLD & other allied works including Electro-mechanical and Civil works at Govt. SMGS Hospital, Jammu	Principal GMC & Associated Hospital Jammu	139.76 LACS	ACCORDED	Rs 2,80,000.00 in the Shape of CDR/FDR/ TDR valid for 12 months pledged to the Executive Engineer MH Division Jammu	Rs 3000.00 in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to 0059-PWD (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. OR The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. 0097010100002163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025	45 days	OEM/Authorized /Registered & Reputed firms having sufficient experience as per Annexure "C" Similar nature of work

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in.

DIP/J-5475/25
Dtd: 8-9-2025

Sd/-
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division
Jammu

संपादकीय

ड्रोन को पाक के छद्म युद्ध को बढ़ावा देने से रोकें

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का यह बयान कि भविष्य के युद्धों में ड्रोन और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) की प्रमुख भूमिका होगी, पूरी तरह से सही है, लेकिन जहाँ तक दुष्ट पड़ोसी देश पाकिस्तान का सवाल है, वह शांति काल में भी इस तकनीक का बेधड़क इस्तेमाल भारत के हितों को नुकसान पहुँचाने के लिए कर रहा है। सीमा पार से आने वाले ये उड़ने वाले विमान समय-समय पर विभिन्न तरीकों से छद्म युद्ध जारी रखने के लिए भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। इस कड़ी में नवीनतम खबर यह है कि शुक्रवार रात लगभग 9.35 बजे बारी ब्राह्मणा क्षेत्र में एक सैन्य छावनी के ऊपर पश्चिम से पूर्व की ओर 700 मीटर से अधिक की ऊँचाई पर एक पाकिस्तानी ड्रोन मंडराता हुआ देखा गया। पुलिस सहित सुरक्षा एजेंसियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया है कि कोई हथियार या नशीले पदार्थ तो नहीं गिराए गए, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि यह उड़ने वाला विमान भारतीय क्षेत्र में इतनी गहराई तक कैसे पहुँच गया। सेना प्रमुख की इस टिप्पणी के संदर्भ में कि ड्रोन युद्धों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, इस बात पर ध्यान देने की आवश्यकता है कि पड़ोसी देश शांतिकाल में भी इस तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है और देश के खिलाफ काम कर रहा है। पाकिस्तानी संस्थाओं द्वारा सुरक्षा भंग की ऐसी घटनाओं को देखते हुए, यह आवश्यक हो जाता है कि युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इन ड्रोनों का इस्तेमाल करने से पहले, भारत एक अचूक ड्रोन-रोधी सुरक्षा कवच तैयार करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कोई भी उड़ने वाली वस्तु बिना कड़ी जवाबी कार्रवाई के देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश न कर सके। भारतीय क्षेत्र में पाकिस्तानी ड्रोनों के लगातार देखे जाने और इन उड़ने वाली वस्तुओं द्वारा गिराए गए हथियारों और नशीले पदार्थों की खेपों की बरामदगी को देखते हुए यह काफी महत्वपूर्ण हो जाता है, जिन्हें देश के दुश्मनों के लिए काम करने वाले लोग आतंकवादियों और ड्रग माफिया के सदस्यों के बीच वितरित करने के लिए उठाते थे। भारत, खासकर जम्मू-कश्मीर में मौजूद आतंकवादियों के पाकिस्तानी आकाओं की इस कार्यप्रणाली का पर्दाफाश करना होगा और प्रभावी ढंग से इसका मुकाबला करना होगा, अन्यथा देश को लापरवाह बने रहने की बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। पहली और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता यह है कि मानव सतर्कता के साथ-साथ तकनीकी हस्तक्षेप के माध्यम से ड्रोनों को देश में प्रवेश करने से रोका जाए, जिससे किसी भी इकाई के लिए सीमा पार करना और भारत के अंदर आकर पाकिस्तान के नापाक मंसूबों को आकार देना असंभव हो जाए।

भूपेन दा...भारत के रत्न

भारतीय संस्कृति और संगीत से लगाव रखने वालों के लिए 8 सितंबर का दिन बहुत खास है। और विशेषकर इस दिन के साथ असम के मेरे भाइयों और बहनों की भावनाएं जुड़ी हुई हैं। आज भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म जयंती है। वे भारत की सबसे असाधारण और सबसे भावुक आवाज़ों में से एक थे। ये बहुत सुखद है कि इस वर्ष उनके जन्म शताब्दी वर्ष का आरंभ हो रहा है। यह भारतीय कला-जगत और जन-चेतना की दिशा में उनके महान योगदानों को फिर से याद करने का समय है।

भूपेन दा ने हमें संगीत से कहीं अधिक दिया। उनके संगीत में ऐसी भावनाएं थीं जो धुन से भी आगे जाती थीं। वे केवल एक गायक नहीं थे, वे लोगों की धड़कन थे। कई पीढ़ियां उनके गीत सुनते हुए बड़ी हुईं। उनके गीतों में हमेशा करुणा, सामाजिक न्याय, एकता और गहरी आत्मीयता की गूंज है।

भूपेन दा के रूप में असम से एक ऐसी आवाज़ निकली जो किसी कालजयी नदी की तरह बहती रही। भूपेन दा सशरीर हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनकी आवाज आज भी हमारे बीच है। वो आवाज आज भी सीमाओं और संस्कृतियों से परे है। उसमें मानवता का स्पर्श है।

भूपेन दा ने दुनिया का भ्रमण किया, समाज के हर वर्ग के लोगों से मिले, लेकिन वे असम में अपनी जड़ों से हमेशा जुड़े रहे। असम की समृद्ध मौखिक परंपराएं, लोकधुनें और सामुदायिक कहानी कहने के तरीकों ने उनके बचपन को गढ़ा। यही अनुभव उनकी कलात्मक भाषा की नींव बने। वे असम की आदिवासी पहचान और लोगों के सरोकार को हर समय साथ लेकर चले।

बहुत छोटी उम्र से उनकी प्रतिभा लोगों को नजर आने लगी। केवल पांच वर्ष की उम्र में उन्होंने सार्वजनिक मंच पर गाया। वहां लक्ष्मीनाथ बेझबरुआ जैसे असमिया साहित्य के अग्रदूत ने उनके कौशल को पहचाना। किशोरावस्था तक पहुंचते-पहुंचते उन्होंने अपना पहला गीत रिकॉर्ड कर लिया।

लेकिन संगीत उनके व्यक्तित्व का सिर्फ एक पहलू था। भूपेन दा भीतर से एक बौद्धिक व्यक्तित्व थे। जिज्ञासु, साफ बोलने वाले, दुनिया को समझने की अटूट चाह रखने वाले। ज्योति प्रसाद अग्रवाला और विष्णु प्रसाद रभा जैसे सांस्कृतिक दिग्गजों ने उनके मन पर गहरा प्रभाव डाला, और उनकी जिज्ञासु प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया।

सीखने की यही लगन उन्हें कॉटन कॉलेज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तक ले गई। वो बीएचयू में राजनीति शास्त्र के छात्र थे, लेकिन उनका अधिकतर समय संगीत साधना में बीतता था। बनारस ने उन्हें पूरी तरह संगीत की तरफ मोड़ दिया। काशी का सांसद होने के नाते मैं उनकी जीवन यात्रा से एक जुड़ाव महसूस करता हूं, और मुझे बहुत गर्व होता है।

काशी से आगे बढ़ी जीवन यात्रा में फिर उन्होंने अमेरिका में कुछ समय बिताया। वहां उन्होंने अपने समय के नामचीन विद्वानों, विचारकों और संगीतकारों से संवाद किया। वे पॉल रोबसन से मिले, जो दिग्गज कलाकार और सिविल राइट्स नेता थे। रोबसन का गीत "Old Man River" उनके कालजयी गीत 'बिश्टीरनो परोरे' की प्रेरणा बना। अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला एलेनॉर रूजवेल्ट ने भारतीय लोकसंगीत प्रस्तुतियों के लिए उन्हें गोल्ड मेडल भी दिया।

भूपेन हजारिका, संगीत के साथ ही मां भारती के भी सच्चे उपासक थे। भूपेन दा के पास अमेरिका में रहने का विकल्प था, लेकिन वे भारत लौट आए और संगीत साधना में डूब गए। रेडियो से लेकर रंगमंच तक, फिल्मों से लेकर एजुकेशनल डॉक्यूमेंट्री तक, हर माध्यम में वे पारंगत थे। जहां भी गए, नई प्रतिभाओं को समर्थन दिया।

भूपेन दा की रचनाएं काव्यात्मक सौंदर्य से भरी रहीं, और साथ-साथ उन्होंने सामाजिक संदेश भी दिए। गरीबों को न्याय, ग्रामीण विकास, आम नागरिक की ताकत, ऐसे अनेक विषय उन्होंने उठाए। उनके गीतों ने नाविकों, चाय बागान के मजदूरों, महिलाओं, किसानों की आकांक्षाओं को आवाज़ दी। उनकी रचनाएं लोगों को पुरानी स्मृतियों में ले जाती थीं, साथ ही, उन्होंने आधुनिकता को देखने का एक सशक्त नजरिया भी दिया। बहुत से लोग, खासकर सामाजिक रूप से वंचित तबकों के लोग, उनके संगीत से शक्ति और आशा पाते रहे...और आज भी पा रहे हैं।

भूपेन दा की जीवन यात्रा में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना का स्पष्ट प्रभाव दिखता है। उनकी रचनाओं ने भाषा और क्षेत्र की सीमाएं तोड़कर एकजुट किया। उन्होंने असमिया, बांग्ला और हिन्दी फिल्मों के लिए संगीत रचा। उनकी आवाज में जो पीड़ा थी, वो बरबस हम सभी का ध्यान खींच लेती थी। 'दिल हूम हूम करे' में जो पीड़ा बहती है, वो सीधे दिल की गहराइयों को छू लेती है। और जब वे पूछते हैं, 'गंगा बहती है क्यूं', तो ऐसा लगता है मानो हर आत्मा को झकझोर कर जवाब मांग रहे हों।

उन्होंने पूरे भारत के सामने असम को सुनाया, दिखाया, महसूस कराया। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आधुनिक असम की सांस्कृतिक पहचान को गढ़ने में उनका बड़ा योगदान रहा। असम के भीतर और दुनिया भर के असमिया प्रवासियों, दोनों के लिए वो असम की आवाज बने।

भूपेन दा राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे, फिर भी जनसेवा की दुनिया से जुड़े रहे। 1967 में वे असम के नौबोइचा से निर्दलीय विधायक चुने गए। यह दिखाता है कि लोगों को उन पर कितना गहरा विश्वास था। उन्होंने राजनीति को अपना करियर नहीं बनाया, लेकिन हमेशा लोगों की सेवा में जुटे रहे।

भारत की जनता और भारत सरकार ने उनके योगदान का सम्मान किया। उन्हें पद्मश्री, पद्मभूषण, पद्मविभूषण, दादासाहेब फाल्के अवार्ड समेत कई सम्मान मिले। 2019 में हमारे कार्यकाल के दौरान उन्हें भारत रत्न मिला। यह मेरे लिए और एनडीए सरकार के लिए भी सम्मान की बात थी। दुनिया भर में, खासकर असम और उत्तर-पूर्व के लोगों ने, इस अवसर पर खुशी जताई। यह उन सिद्धांतों का सम्मान था, जिन्हें भूपेन दा दिल से मानते थे। वो कहते थे कि सच्चाई से निकला संगीत किसी एक दायरे में सिमट कर नहीं रहता। एक गीत लोगों के सपनों को पंख लगा सकता है, और दुनिया भर के दिलों को छू सकता है।

मुझे 2011 का वह समय याद है जब भूपेन दा का निधन हुआ। मैंने टीवी पर देखा, उनके अंतिम संस्कार में लाखों लोग पहुंचे। हर आंख नम थी। जीवन की तरह, मृत्यु में भी उन्होंने लोगों को साथ ला दिया। इसलिए उन्हें जलुकबाड़ी की पहाड़ी पर ब्रह्मपुत्र की ओर देखते हुए अंतिम विदाई दी गई, वही नदी जो उनके संगीत, उनके प्रतीकों और उनकी स्मृतियों की जीवनरेखा रही है। अब ये देखना बहुत सुखद है कि असम सरकार भूपेन हजारिका कल्चरल ट्रस्ट के कार्यों को बढ़ावा दे रही है। यह ट्रस्ट युवा पीढ़ी को भूपेन दा की जीवन यात्रा से जोड़ने में जुटा है।

भूपेन दा की सांस्कृतिक विरासत को सम्मान देने के लिए देश के सबसे बड़े पुल को भूपेन हजारिका सेतु नाम दिया गया। 2017 में जब मुझे इस सेतु के उद्घाटन का अवसर मिला, तो मैंने महसूस किया कि असम और अरुणाचल...इन दो राज्यों को जोड़ने वाले, उनके बीच की दूरी कम करने वाले इस सेतु के लिए भूपेन दा का नाम सबसे उपयुक्त है।

भूपेन हजारिका का जीवन हमें करुणा की शक्ति का एहसास कराता है। लोगों को सुनने और अपनी मिट्टी से जुड़े रहने की सीख देता है। उनके गीत आज भी बच्चों और बुजुर्गों, दोनों की ज़ुबान पर हैं। उनका संगीत हमें माननीय और साहसी बनना सिखाता है। वह हमें अपनी नदियों, अपने मजदूरों, अपने चाय बागान के कामगारों, अपनी नारी शक्ति और अपनी युवा शक्ति को याद रखने को कहता है। वह हमें विविधता में एकता पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करता है। भारत भूपेन हजारिका जैसे रत्न से धन्य है। जब हम उनके शताब्दी वर्ष का आरंभ कर रहे हैं, तो आइए यह संकल्प लें कि उनके संदेश को दूर-दूर तक पहुंचाएंगे। यह संकल्प हमें संगीत, कला और संस्कृति के लिए और काम करने की प्रेरणा दे, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करे, भारत में सृजनात्मकता और कलात्मक उत्कृष्टता को बढ़ावा दे। मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

पेड़ों के अवैध कटान से बड़े खतरे की तरफ बढ़ते हम

हृदयनारायण दीक्षित

सर्वोच्च न्यायालय ने पेड़ों की अवैध कटान पर तीखी टिप्पणी की है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने कहा कि, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ों की अवैध कटान हुई है। कोर्ट ने केन्द्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब राज्यों से तीन हफ्तों में जवाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा है कि, पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध कटाई दिखाई पड़ती है। कोर्ट ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से कहा कि, वह इसकी जांच करें। इसके लिए जो कुछ भी जरूरी हो, किया जाना चाहिए।

पेड़ कटानों का परिणाम देश के लिए घातक होता है। वृक्षों से वर्षा होती है। कटान से ऋतु चक्र गड़बड़ाता है। विश्व बैंक की 'दक्षिण एशियाई हॉटस्पॉट-तापमान के प्रभाव और जीवन स्तर का परिवर्तन' शीर्षक से रिपोर्ट आई थी। रिपोर्ट में अनुमान किया गया था कि सन् 2050 तक भारत की जीडीपी 28 प्रतिशत तक घट सकती है। अन्य तमाम संस्थाओं ने भी जलवायु परिवर्तन से भारत को खतरा बताया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में वृक्ष और वनस्पतियां पृथ्वी परिवार के अंग हैं। हम उन पर आश्रित हैं। पेड़ पौधों में भी जीवन होता है। हमारे और वृक्ष वनस्पतियों के बीच परस्परावलंबन है। वे सभी ऋतु चक्र को प्रभावित करते हैं। पृथ्वी के प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं। इसी अव्यवस्था के चलते उत्तराखण्ड सहित देश के अन्य राज्यों में भूस्खलन, बादल फटने की घटनाएं भी चिन्ता का विषय हैं। तूफान और बाढ़ आती है। भारत की अधिकांश नदियां जलहीन हो रही हैं। ऋतु परिवर्तन का चक्र गड़बड़ा गया है। इसका असर पशु पक्षियों पर भी पड़ा है।

सन् 2000 में पेरिस में 'अर्थ कमीशन' ने पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे। ऐसी बैठकें लगातार होती रहीं। 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित किए थे। पर्यावरण इन लक्ष्यों में खासा महत्व रखता है। भारत ने टिकाऊ विकास के लक्ष्यों पर बढ़-चढ़कर काम किया है। पेट्रोल डीजल का उपयोग घटाने के प्रयास हुए हैं। विद्युत चलित वाहन बढ़ रहे हैं। लेकिन अभी ठोस परिणाम नहीं आए हैं। सभ्यता के विकास में शुरुआत में पेड़-पौधे ही हमारे संरक्षक और विधाता थे। हम उनको प्रणाम करते थे। पानी देते थे। वैदिक काल से ही पेड़ पौधों को प्रेम करने वाली संस्कृति प्रवाहमान है। वैदिक काल के बाद का चरण हड़प्पा सभ्यता है। यह खूबसूरत नगरीय सभ्यता थी। आजादी के बाद में नगरों महानगरों का अराजक विकास हुआ। नगर क्षेत्र विस्तार की नीति पेड़ पौधों को आत्मीय समझने वाली होनी चाहिए। हम भारत के लोग वनस्पतियों में देवता देखते रहे हैं। लोक मान्यता में प्रत्येक पेड़ का एक देवता होता है। विष्णु पीपल के देवता हैं। बरगद के देवता शिव हैं। सोम के देवता चन्द्रमा हैं। अशोक के देवता इन्द्र और आदित्य हैं। आंवला के देवता विष्णु हैं। महाभारत में कथा है। कृष्ण ने एक बार पृथ्वी की पूजा की थी। वे समाधिष्ट हो गए। पृथ्वी स्त्री वेश में कृष्ण के सामने पहुंचीं। कृष्ण ने पृथ्वी से अभिलाषा की, मां आप कैसे प्रसन्न होती हैं? पृथ्वी ने कहा, सभी जीवों को प्यार करो। पेड़ पौधों को संरक्षण दो। प्रतिदिन अपने भोजन का एक हिस्सा अलग रख लिया करो। जीव आएंगे और प्रसन्न होंगे। वृक्षों और वनस्पतियों को भी प्रेम की प्यास रहती है। पृथ्वी पर पेड़ पौधों की उपस्थिति एक असाधारण संरचना है। लाखों जीव और वनस्पतियां पृथ्वी में हैं। मैकडनल ने वैदिक माइथॉलजी में खूबसूरत टिप्पणी की है। ऋग्वेद के अनुसार वह वन वृक्षों का आधार हैं। वही वर्षा कराती हैं। अथर्ववेद में पृथ्वी सूक्त है। इस सूक्त में कहा गया है कि, यह वनस्पतियों का आधार है। पृथ्वी का गुण गंध है। यह गंध वनस्पतियों में है। पृथ्वी संसार की धारक है। पेड़ों की कटान के विरुद्ध अधिनियम हैं। लेकिन इस कटान में स्थानीय पुलिस की भागीदारी रहती है।

पूर्वजों का ध्यान वनस्पतियों पर था। ऋग्वेद में वनस्पतियों को देवता कहा गया है। अथर्ववेद के एक सूक्त (1.34) में ऋषियों के वनस्पति प्रेम की झांकी है। अथर्वा के सामने एक लता है। लता से कहते हैं, आप मधुरता के साथ पैदा हुई हैं। फिर कहते हैं, हे लता आप मधुर हैं। हमें भी मधुर बनाएं। समूचे वैदिक वांग्मय में वनस्पतियां छाई हुई हैं। ऋषियों ने सोम को देवता बताया है। सोम को वनस्पतियों का राजा भी कहा गया है। (ऋग्वेद 9.114.2) सोम एक वनस्पति थी। इससे रस निकाला जाता था। ऋग्वेद के अनुसार सोम देवताओं को प्रिय थी। उनकी मान्यता थी कि सोम का रस पीने से अमृत्व मिल जाता है। वनस्पतियां कई तरह की हैं।

पेड़ों की कटान की तरफ सर्वोच्च न्यायालय ने देश का ध्यानाकर्षण किया है। यह बहुत उचित है। यह भारतीय जन गण मन का ध्यान खींचने वाला है। विकास की अंधी दौड़ में हमारी अस्मिता समाप्तप्राय हो रही है। प्राचीन संस्कृति के अनेक अवशेष आज भी हम सब का ध्यान परंपरा की ओर आकर्षित करते हैं। कोई व्यक्ति अपने फार्म हाउस में एक छोटा-सा बगीचा बनाता है। उसका नाम पंचवटी रखता है। पंचवटी श्रीराम का विश्राम स्थल थी। वाल्मीकि ने रामायण में बताया है कि, श्रीराम अयोध्या से पैदल चलकर प्रयागराज पहुंचे थे। प्रयागराज में त्रिवेणी के तट पर ऋषि भारद्वाज का आश्रम था। उन्होंने श्रीराम को आते देखा। वंदना की। उस समय आश्रम के सारे पेड़ पौधे नाच रहे थे। अथर्ववेद के ऋषि ने देवताओं से अपने लिए घर मांगा। लगे हाथ संभावित घर का नक्शा भी बना दिया। ऋषि कहते हैं कि हमें ऐसा घर दो जिसमें गाएं अपने बछड़े के साथ घूम भी सकें और वनस्पतियां औषधियों के पौधे भी घर की शोभा बढ़ाएं। बीते 30-35 वर्ष में वृक्षारोपण का काम सरकारों द्वारा किया गया है। पेड़ लगाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल प्रशंसनीय रही है। मोदी सरकार ने 'मिशन लाइफ', स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे परियोजना और राष्ट्रीय वन महोत्सव जैसी योजनाओं से पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया है। पर्यावरणीय नीति 'कैमपा' के माध्यम से राज्यों को हजारों करोड़ रुपये पेड़ लगाने के लिए दिए गए। योगी आदित्यनाथ ने 2017 से रिकॉर्ड वृक्षारोपण महाअभियान चलाया। 2022 में एक ही दिन में लगभग 35 करोड़ पौधे लगाए गए। अब तक उत्तर प्रदेश में लगभग 200 करोड़ पौधे लगाए जा चुके हैं। गंगा हरितिमा अभियान के अंतर्गत गंगा किनारे पेड़ लगाने का विशेष कार्यक्रम चलाया गया अग्नि पुराण में श्रीभगवान कहते हैं, अब मैं वृक्ष प्रतिष्ठा का वर्णन करता हूं। जो भोग और मोक्ष प्रदान करने वाली है। वृक्षों को सर्वो औषधि जल से लिप्त, सुगंधित चूर्ण से विभूषित तथा माला से अलंकृत करें। प्रत्येक वृक्ष का अधिवासन करें। वृक्ष के अधिवासन के समय ऋग्वेद, यजुर्वेद या सामवेद के मंत्रों से हवन करें। वृक्ष तथा उद्यान की प्रतिष्ठा से परम सिद्धि की प्राप्ति होती है। पद्म पुराण में वृक्षारोपण का फल बताया गया है। पीपल का पेड़ लगाने से रोग नाश होता है और धन मिलता है। पाकड़ का पेड़ लगाने से यज्ञ का फल मिलता है। नीम का पेड़ लगाने से सूर्य देवता की कृपा हम पर बरसती है। इसी तरह बेल का पेड़ लगाने से शिव प्रसन्न होते हैं। कोई भी पेड़ लगाने से वातायन में सकारात्मक परिवर्तन होता है। पीपल, बरगद तो पूजनीय हैं ही। यजुर्वेद के शांति मंत्र में औषधियों वनस्पतियों के शांत रहने की प्रार्थना है-पृथ्वी शांत हों, अंतरिक्ष शांत हों, वनस्पतियां औषधियां शांत हों।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

पितृपक्ष- पांच ग्रास और प्राणियों के निमित्त संदेश

रमेश शर्मा

पूरे संसार में अपने पूर्वजों के स्मरण करने और श्रृद्धांजलि अर्पित करने की परंपरा है। लेकिन भारत में अपने पूर्वजों के स्मरण की यह पितृपक्ष की अवधि व्यक्तित्व निर्माण, कुटुम्ब महत्ता और प्रकृति से समन्वय की अद्भुत अवधि है। वस्तुत- भारतीय और पश्चिमी चिंतन में एक आधारभूत अंतर है। पश्चिमी चिंतन केवल वाह्य जगत अर्थात भौतिक सृष्टि तक सीमित है जबकि भारतीय चिंतन लौकिक से अधिक अलौकिक सृष्टि तक व्यापक है। विकास के लिये जितना जोर वाह्य शक्ति और साधनों पर दिया जाता है उससे अधिक आंतरिक ऊर्जा के संचार पर दिया जाता है। इसे हम सनातन परंपरा के सभी सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक समागमों से समझ सकते हैं और यही विशेषता पूर्वजों के स्मरण के लिये पितृपक्ष के इन दिनों की है।

सूर्योदय से सूर्यास्त तक की पूरी दिनचर्या आंतरिक ऊर्जा जाग्रत करने और आरोग्य शक्ति अर्जित करने की अद्भुत प्रक्रिया है। जबकि इसके कर्मकांड कुटुम्ब समन्वय और प्रकृति से समन्वय बनाकर पर्यावरण संरक्षण के निमित्त हैं। पितृपक्ष की दिनचर्या पर चर्चा करने से पहले इन तीन बिन्दुओं को समझना आवश्यक है । पहली व्यक्ति के अवचेतन की शक्ति, दूसरी आंतरिक ऊर्जा और तीसरी कुटुम्बिक शक्ति एवं ऊर्जा। आंतरिक ऊर्जा और अवचेतन की शक्ति जाग्रत करने के लिये एकाग्रता चाहिए। ऐसी एकाग्रता जिसमें मन के साथ सभी ज्ञानेन्द्रियाँ और कर्मेन्द्रियों संयुक्त हों।

इसके लिये पितृपक्ष में ब्रह्म मुहूर्त में उठना, सूर्योदय से पूर्व नदी या सरोवर पर स्नान करके सूर्य को जल अर्पित करने का विधान बनाया गया। घर से नदी या सरोवर जाने में दिवंगत पूर्वजों का स्मरण रहता है। इससे चित्त में एकाग्रता आती है। स्नान करके लौटने में सबका स्मरण बना रहता है। इतनी देर किसी सकारात्मक विचार की एकाग्रता से आत्मशक्ति जाग्रत होती है। यही आत्मशक्ति व्यक्ति पराक्रम और पुरुषार्थ में गुणवत्ता प्रदान करती है। घर आकर पूजन हवन और पाँच ग्रास निकालना मनोवैज्ञानिक रूप से व्यक्ति, परिवार और प्रकृति से समन्वय का साधन है। इन पांच ग्रास में मछली, चींटी, कौआ, गाय और कुत्ता होते हैं। अर्थात जलचर, थलचर और नभचर तीनों प्रकार के जीवों के संरक्षण का संदेश है।

पितृपक्ष या पितरों की महत्ता का उल्लेख सभी पुराणों में है । श्रीमद्भागवत की रचना ही पूर्वजों की मुक्ति केलिये मानी जाती है। विस्तृत वर्णन गरुण पुराण में है। पितृपक्ष में दिवंगत कुटुम्बजनों का स्मरण करने को श्राद्ध कहा जाता है। 卐श्रृद्धा卐 की केन्द्रीभूत चेतना को श्राद्ध कहा जाता है।सबसे पहले पूर्वजों के प्रतीक के रूप में जौं के आटे का एक छोटा पिण्ड बनाया जाता है। पिण्ड स्थापित करके पितृ गायत्री मंत्र के साथ 108 बार जल अर्पित किया जाता है। पूजन-अर्पण के बाद इस पिण्ड को पीपल के नीचे रखकर अर्पित किये गये जल को किसी बहते जल स्त्रोत में प्रवाहित कर दिया जाता है । फिर कमसे कम एक अभ्यागत अर्थात आमंत्रित अतिथि को भोजन कराने का विधान हैं। यह माना जाता है कि हमारे परिवार जन भले हमारे बीच से विदा हो गये हैं पर उनकी ऊर्जा अवश्य परिवार में रहती है।

पांच ग्रास निकालने का महत्व

इसमें पूजन हवन विधि के बाद महत्वपूर्ण है पांच अलग-अलग प्राणियों के लिये ग्रास निकालना । इनमें गाय, कुत्ता, मछली, चींटी और कौआ हैं। पितरों के संदर्भ इन पांच प्राणियों का जो महत्व पुराणों में वर्णित है उससे अलग इनका समाज और व्यक्तित्व निर्माण से गहरा संबंध है । पितृपक्ष में ग्रास निकालने की परंपरा बनाकर इनका समाज से अटूट रिश्ता बनाने का प्रयास किया गया है। सबसे पहले गाय की महत्ता को देखिये। गाय का दूध हृदयरोग, मधुमेह, कैंसर उपचार में उपयोगी है। गाय का गोबर कृषि के लिये उपयोगी है। गौमूत्र से औषधि तैयार होती है। गाय की श्वांस से हानिकारक बैक्टीरिया नष्ट होते हैं। इसीलिये भारत के विभिन्न तीज त्योहारों में अलग-अलग माध्यम से गाय को जोड़ा गया और महत्व को स्थापित किया गया है। गाय व्यक्तिगत स्वास्थ्य के लिये तो उपयोगी है ही साथ ही परिवार और समाज की अर्थव्यवस्था में भी बहुत उपयोगी है। इसके साथ गाय के जीवन से व्यक्ति और समाज को सर्व उपयोगी होने और सेवाभाव में जीने का संदेश भी मिलता है । गाय सबसे सरल, सहज और सेवाभावी जीव है। तभी सरल सज्जन और सहनशीलता के लिये गाय का उदाहरण दिया जाता है ।

दूसरा ग्रास कुत्ते के लिये निकाला जाता है।

कुत्ता जैसा स्वामी भक्त जीव दूसरा नहीं होता। वह कभी भी पीठ नहीं दिखाता, यदि रणनीति के अंतर्गत वह पीछे हटता है तब भी भौंकता रहता है और अवसर मिलते ही पलटकर हमला करता है। अपने प्राण देकर भी स्वामी की रक्षा करता है। उसकी सूंघने की शक्ति अद्भुत होती है। वह नींद में भी जागरुक रहता है। इसीलिए दत्तात्रेय जी ने कुत्ते को एक आदर्श प्राणी बताया समाज से सदैव सीखने का आव्हान किया। भारतीय मनीषियों ने भी विभिन्न कथाओं के माध्यम से कुत्ते के महत्व को समझाया। धर्मराज युधिष्ठिर के साथ कुत्ते की स्वर्गारोहण यात्रा सुप्रसिद्ध है । यहां भी पितरों की सेवा को साक्षी बनाकर कुत्ते से परिवार और समाज को जोड़ा गया है ।

पितृपक्ष एवं श्राद्ध में तीसरा ग्रास मछली के लिये निकाला जाता है तथा नदी तालाब में जाकर डाला जाता है। जल किसी भी प्राणी के जीवन का आधार होता है जल की कमी हो या जल अशुद्ध हो तो जीवन संकट में पड़ जाता है और जल का सबसे महत्वपूर्ण स्त्रोत नदी और सरोवर होते हैं। जहाँ मछलियाँ रहतीं हैं।

नदी सरोवर या कुँए के जल को शुद्ध रखने का काम मछली करती है । नदी तालाबों में जल को प्रदूषित करने वाले कीटों को मछली अपना आहार बना लेती है । लगता है कि प्रकृति ने जल शुद्धिकरण केलिये ही मछली को बनाया है। अज्ञानता में मनुष्य मछली का कोई अहित न करे इसलिये पितृपक्ष के माध्यम से मछली के संरक्षण को महत्व दिया गया। अलग-अलग पुराण कथाओं में मछली के महत्व को समझाया गया है। मछली के रूप में नारायण के अवतार की कथा भी है। मछली के महत्व को समाज भूले नहीं इसलिये पितृ पूजन से भी मछली को जोड़ा गया। आज भी भारतीय वाङ्मय के जानकार लोग मछलियों को दाना डालने जाते हैं।

चौथा ग्रास चींटी के लिये निकाला जाता है। पितृपक्ष में चींटी को भी समाज से जोड़ा गया । आधुनिक विज्ञान के शोध के अनुसार चींटी धरती के पुनर्चक्र को सक्रिय करने में सबसे महत्वपूर्ण होती है। धरती का यह पुर्नचक्र ही धरती के पोषक तत्वों को पुनर्जीवित करता है। इसी से प्राणियों के जीवन श्रृंखला को निरंतर रहती है। समाज चींटी का संरक्षण करे, इसके लिये विभिन्न कथाओं के माध्यम से समाज को जागरुक किया गया और पितृपूजन से भी जोड़ा। चींटी की सूंघने की शक्ति अद्भुत है । चींटियों में सामाजिक अनुशासन भी है । वे श्रृंखला बद्ध होकर चलतीं हैं। कभी कतार नहीं तोडतीं। कतार को अनुशासित करने केलिये एक टीम चलती है। भोजन खोजने वाली टीम अलग होती है और भोजन ढोकर लाने वाली भी टीम अलग होती है। चीटियों में सामाजिक एकत्व और संगठनात्मक अनुशासन अद्भुत होता है। चींटी से यह संदेश भी है कि भले हमारा अस्तित्व कितना ही लघुतम हो किन्तु मनोबल ऐसा होना चाहिए कि हाथी समान विशालकाय जीव भी भयभीत रहे और संकट आने पर हाथी को भी धराशाई किया जा सके।

पितृपक्ष में पांचवां ग्रास कौए के लिये निकाला जाता है। कौए की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसकी जीवन शैली सर्वाधिक आत्म अनुशासित है इसीलिए यह सबसे कम बीमार होता है, यह भोजन को देखकर उसमें अशुद्धता भांप लेता है और हानिकारक होने का आभास होते ही ग्रहण नहीं करता। यह भूख से तो मर जाता है पर बीमारी से कभी नहीं मरता। कौए को कभी थकान नहीं होती। कौआ उन विरले प्राणियों में से एक है जो नर और मादा दोनों एक ही आकार के होते हैं। कौये समूह बनाकर रहते हैं। यदि एक साथी कौए को कुछ हो जाये तो दूसरा कौआ साथी भोजन ग्रहण नहीं करता। इसकी समझ और देखने की सामर्थ्य भी बहुत तीखी होती है । पौराणिक महत्व के अतिरिक्त कौए को समाज से जोड़ने का संदेश यही है कि समाज का प्रत्येक व्यक्ति कुशाग्र हो, दूरदृष्ट हो, समाज संगठित हो।

भारतीय वाङ्मय में समाज जीवन में अच्छे व्यवहार की सीख देने वाली अनेक कथाएं हैं पर समाज व्यवहारिक रूप से भी अपने प्रेरणादायकों से जुड़ा रहे। इसलिये पितृपक्ष में इन प्रतीकों के माध्यम से समाज को जाग्रत करने का कर्मकांड निर्धारित किया गया है।

(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

उत्तर मध्य रेलवे के एथलीट भूपेंद्र सिंह ने लॉन्ग जम्प में जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

प्रयागराज। कोलकाता के शॉर्टलेक स्टेडियम में आयोजित 90वीं ऑल इंडिया रेलवे एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में उत्तर मध्य रेलवे के प्रतिभावान एथलीट भूपेंद्र सिंह ने पुरुष लॉन्ग जम्प स्पर्धा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया है।यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि भूपेंद्र सिंह ने 7.66 मीटर की प्रभावशाली छलांग लगाकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वे वर्तमान में उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल के वाणिज्य विभाग में कामर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि भूपेंद्र का यह प्रदर्शन उनकी निरंतर मेहनत और खेल के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने इससे पूर्व 88वीं ऑल इंडिया रेलवे एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में रजत पदक तथा 89वीं चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था।पीआरओ ने बताया कि उत्तर मध्य रेलवे की टीम में खिलाड़ियों का नेतृत्व टीम मैनेजर दिवाकर शुक्ला कर रहे हैं तथा टीम की कोच रागिनी गौड़ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन और मार्गदर्शन कर रही हैं। भूपेंद्र सिंह की इस स्वर्णिम उपलब्धि पर उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

यूपीसीए की सीनियर टीम ट्रॉयल के लिए 26 क्रिकेटर चयनित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) की सीनियर पुरुष सीनियर टीम ट्रॉयल के लिए इलाहाबाद मंडल के 26 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। ट्रॉयल नौ सितम्बर को कानपुर के कमला क्लब मैदान पर होगा। इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन के निदेशक एवं लीग कमेटी के चेयरमैन डॉ. सुरेश द्विवेदी के अनुसार सलीम अहमद की अध्यक्षता वाली एसीए की सीनियर चयन समिति के सदस्यों द्वारा चयनित इलाहाबाद मंडल (प्रयागराज, मीरजापुर, चित्रकूट और भदोही) के खिलाड़ी शामिल हैं।चयनित खिलाड़ियों में अभिषेक यादव, राहुल राज पाल, पार्थ मिश्र, अंशुमान पांडेय, मनु राजा, अब्दुल रहमान, फैज अली, आजम हुसैन, सुमित अग्रवाल, अटल बिहारी राय, मो. हम्माद खान, देव प्रकाश सिंह, गौरव सिंह, उदय प्रताप सिंह, ध्रुव प्रताप सिंह, अमर चौधरी, कुलदीप मिश्र, सुव्रत प्रसाद तिवारी, धीरज कुमार मिश्र, प्रशांत कुमार, सिराज, शिवांश सिंह, शाकिर सलाम अंसारी, अभिनव तिवारी, रवि मिश्र, रोहित राज पाल हैं। उन्होंने बताया कि ट्रॉयल में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को अपने मूल जन्म प्रमाण पत्र, पंजीकरण स्लिप तथा आधार कार्ड के साथ नौ सितम्बर को सुबह आठ बजे कानपुर के कमला क्लब मैदान पर उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर सुब्रायन का गेंदबाजी एक्शन वैध पाया गया

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर प्रेनेलन सुब्रायन का गेंदबाजी एक्शन वैध पाया गया है। अब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदबाजी जारी रख सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में बताया कि 19 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया के केर्न्स में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले एकदिवसीय मैच के दौरान सुब्रायन की संदिग्ध अवैध गेंदबाजी एक्शन के लिए रिपोर्ट की गई थी। इसके बाद 26 अगस्त को ब्रिस्बेन के राष्ट्रीय क्रिकेट केंद्र में उनका स्वतंत्र गेंदबाजी मूल्यांकन किया गया, जिसमें पता चला कि उनकी सभी गेंदों में कोहनी का विस्तार आईसीसी अवैध गेंदबाजी नियम के तहत निर्धारित 15 डिग्री के स्तर के भीतर था। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान तीन मैचों की टी20 श्रृंखला 1-2 से गंवा दी, लेकिन बाद में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 2-1 जीत ली। सुब्रायण ने पहले एकदिवसीय मैच में एक विकेट लेकर योगदान दिया था। इस ऑफ स्पिनर ने अब तक दक्षिण अफ्रीका के लिए दो अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने पांच विकेट हासिल किए हैं।

मुरादाबाद की कृतिका गुप्ता ने 37 वीं कुश्ती स्टेट प्रतियोगिता में जीता गोल्ड

मुरादाबाद। मुरादाबाद के मैनाठेर निवासी कृतिका गुप्ता ने बरेली में खेली गई 37 वीं कुश्ती स्टेट प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। उन्होंने सब जूनियर वर्ग में 42 किग्रा भार वर्ग में विरोधी खिलाड़ी को चित करते हुए यह उपलब्धि हासिल की है। यह प्रतियोगिता बरेली में जय नारायण सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में खेली गई थी। कृतिका गागन वाली मैनाठेर में रहती हैं और लाइनपार में निडर अखाड़े में पहलवान डॉ. आनंद राघव से प्रशिक्षण ले रही हैं। पिता दिलीप कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह बड़ी उपलब्धि है। उनकी बेटी अब राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी।

एशिया कप हॉकी 2025: भारत ने कोरिया को 4-1 से हराकर जीता खिताब, वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालिफाई

एजेंसी

राजगीर (बिहार)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने हीरो एशिया कप राजगीर 2025 का खिताब जीतकर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गए फाइनल में भारत ने कोरिया को 4-1 से हराया। खचाखच भरे स्टेडियम में घरेलू दर्शकों की मौजूदगी ने इस मुकाबले को यादगार बना दिया। इस जीत के साथ भारत ने आठ साल बाद महाद्वीपीय बादशाहत दोबारा हासिल की और एफआईएच पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2026 (नीदरलैंड और बेल्जियम) के लिए क्वालिफाई किया।भारत ने पिछली बार 2017 (ढाका) में एशिया कप जीता था। इस बार गोल भारत के लिए सुखजीत सिंह (1'), दिलप्रीत सिंह (28', 45'), और अमित रोहिदास (50') ने किए। कोरिया के लिए एकमात्र गोल सोन दैन ने चौथे

क्वार्टर में किया। मैच की शुरुआत भारत ने धमाकेदार अंदाज में की, जब कप्तान हरमनप्रीत सिंह के असिस्ट पर सुखजीत ने केवल 30 सेकंड में गोल कर बढ़त दिलाई। इसके बाद पहले क्वार्टर में ही भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन जुगराज सिंह का प्रयास कोरियाई गोलकीपर जैहान किम ने रोक दिया। दूसरे क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष रहा। इसी दौरान दिलप्रीत सिंह ने 28वें मिनट में शानदार गोल कर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। हाफटाइम तक स्कोरद्द्वठ्द्ठ भारत के पक्ष में रही। तीसरे क्वार्टर में भी भारतीय आक्रमण जारी रहा। 45वें मिनट में दिलप्रीत ने अपना दूसरा और टीम का तीसरा गोल दागा। इसके बाद 50वें मिनट में दिलप्रीत द्वारा बनाए गए पेनल्टी कॉर्नर को अमित रोहिदास ने गोल में बदलते हुए भारत की जीत पक्की कर दी। कोरिया ने चौथे क्वार्टर की शुरुआत में एक गोल जरूर किया, लेकिन भारत का दबदबा कायम रहा और अंत तक 4-1 का स्कोर कायम रखा। इस ऐतिहासिक जीत के बाद हॉकी इंडिया ने खिलाड़ियों को 3-3 लाख रुपये और सपोर्ट स्टाफ को 1.5 लाख रुपये इनाम देने की घोषणा की है।

पीकेएल-12 : घर में तेलुगू टाइटंस की लगातार दूसरी जीत

विशाखापट्टनम। मेजबान तेलुगू टाइटंस ने विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन-12 के 19वें मैच में बंगाल वारियर्स को 44-34 से हराकर लगातार दूसरी घरेलू जीत दर्ज की। वहीं, बंगाल को तीन मुकाबलों में दूसरी हार का सामना करना पड़ा। टाइटंस की जीत में स्टार रेडर भरत (12 अंक) और कप्तान विजय मलिक (11 अंक) के साथ डिफेंडर अंकित जागलान (हाई-5) का अहम योगदान रहा। अंकित ने बंगाल के मुख्य रेडर देवांक (13 अंक) को तीन बार लपका और उन्हें मैच में लगभग 19 मिनट तक बाहर रखा। बंगाल के डिफेंस में आशीष और नितेश ने हाई-5 लगाया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। शुरुआत में ही टाइटंस ने डिफेंस और भरत की शानदार रेडिंग से बढ़त बना ली। बंगाल के सुपर टैकल के बावजूद टाइटंस ने जल्दी ही 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। चेतन साहू की सफल रेड और विजय मलिक की कप्तानी रेड ने टीम को पहले हाफ में 23-14 की मजबूत लीड दिलाई। दूसरे हाफ में भी टाइटंस ने दबदबा बनाए रखा। भरत ने डू-ऑर-डाई रेड पर अंक हासिल कर सुपर-10 पूरा किया। वहीं, अंकित ने तीसरी बार देवांक को रोककर बंगाल की वापसी की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। हाफटाइम के बाद भले ही बंगाल ने टाइटंस को पहली बार ऑलआउट किया, लेकिन अंक अंतर 10 पर स्थिर रहा। अंतिम पांच मिनट में भी टाइटंस ने अपनी बढ़त बरकरार रखी और 44-34 से मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत से टाइटंस ने अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत कर ली, जबकि बंगाल वारियर्स को सीजन में लगातार उतार-चढ़ाव झेलना पड़ रहा है।

नवाज़ की हैट्रिक से पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर जीता त्रिकोणीय सीरीज़

एजेंसी

नई दिल्ली। मोहम्मद नवाज़ के हैट्रिक सहित 5 विकेट की बदौलत पाकिस्तान ने रात शारजाह में खेले गए फाइनल मुकाबले में अफगानिस्तान को 75 रन से हराकर त्रिकोणीय सीरीज़ जीत ली है। इस सीरीज में तीसरी टीम यूएई की थी।

मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 141/8 रन बनाए। फखर ज़मान ने 27 और मोहम्मद नवाज़ ने 25 रन की अहम पारी खेली। अफगानिस्तान के लिए राशिद खान ने 3 विकेट, जबकि नूर अहमद ने 2 विकेट हासिल किए।जवाब में अफगानिस्तान की टीम 15.5 ओवर में सिर्फ 66 रन पर सिमट गई। पारी की शुरुआत से ही उनके विकेट गिरते रहे। शाहीन अफरीदी ने पहले ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज़ को आउट किया। इसके बाद अबरार अहमद और नवाज़ ने लगातार झटके दिए। नवाज़ ने छठे और सातवें ओवर में दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई और इब्राहिम ज़ादरान को आउट कर हैट्रिक पूरी की। उन्होंने

कुल पांच विकेट अपने नाम किए। सुफियान मुकीम और अबरार अहमद ने दो-दो विकेट लिए।

यह अफगानिस्तान का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरा सबसे कम स्कोर रहा। पाकिस्तान ने शानदार गेंदबाज़ी के दम पर 75 रनों से जीत दर्ज कर त्रिकोणीय सीरीज का खिताब अपने नाम किया।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

पाकिस्तान: 141/8 (20 ओवर) - फखर ज़मान 27, मोहम्मद नवाज़ 25; राशिद खान 3/38, नूर अहमद 2/17

अफगानिस्तान: 66 (15.5 ओवर) - राशिद खान 17; मोहम्मद नवाज़ 5/19, सुफियान मुकीम 2/9, अबरार अहमद 2/17

इंग्लैंड ने रचा इतिहास: तीसरे वनडे में दर्ज की 342 रनों से जीत, दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से सीरीज अपने नाम किया

एजेंसी

साउथैम्पटन। इंग्लैंड ने तीसरे और आखिरी वनडे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 342 रनों से पटखनी देते हुए रिकॉर्डतोड़ जीत दर्ज की। हालांकि 3 मैच की सीरीज में दक्षिण अफ्रीका ने 2-1 से बाजी मारी। यह जीत केवल इंग्लैंड के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित हुई, क्योंकि दक्षिणी अफ्रीकी टीम ने लंदन (लॉर्ड्स) में पहले दो मुकाबले जीतकर सीरीज अपने नाम कर ली थी। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 5 विकेट के नुकसान पर 414 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड के लिए जो रूट ने 96 गेंदों में 100 रन बनाए, जबकि जैकब बेटहैल ने अपने करियर का पहला शतक (110 रन, 82 गेंद) जड़ा। जोस बटलर ने भी तूफानी पारी खेलते हुए 32 गेंदों पर 62 रनों की तेज-तर्रार इनिंग खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम महज 72 रनों पर ऑल आउट हो गई। अफ्रीकी टीम के लिए सिर्फ तीन

बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा छू सके। कार्बिन बॉश (20 रन) और केशव महाराज (17 रन) के साथ ट्रिस्टन स्टब्स ने 10 रन का योगदान दिया। कप्तान टेंबा बावूमा को मांसपेशी चोट के कारण बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल पाया।इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर ने 18 रन खर्च कर 4 विकेट चटकाए, इन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच भी दिया गया। जबकि आदिल राशिद ने 13 रन देकर तीन विकेट लिए। वहीं, ब्रेडन कार्स को दो सफलता मिली।

सीरीज में सर्वाधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज रहे, जिन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वहीं, सर्वाधिक रन बनाने के मामले में जो रूट (175 रन) प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

विश्व कप क्वालिफायर : जर्मनी ने उत्तरी आयरलैंड को हराकर पकड़ी जीत की राह

एजेंसी

बर्लिन। स्लोवाकिया के खिलाफ मिली हार से उबरते हुए जर्मनी ने फीफा विश्व कप क्वालिफाइंग ग्रुप-ए के मुकाबले में उत्तरी आयरलैंड को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की। पिछले गुरुवार ब्रातिस्लावा में 0-2 की हार के बाद कोच जूलियन नागेल्समैन ने अपनी शुरुआती एकादश में पांच बदलाव किए और इसका फायदा टीम को तुरंत मिला।सातवें मिनट में सर्ज गनाब्री ने निक वोल्टेमाडे के पास पर गोलकीपर बेली पीकॉक-फैरेल के ऊपर से शॉट लगाकर खाता खोला। जर्मनी ने बढ़त बढ़ाने के कई मौके बनाए लेकिन वोल्टेमाडे और डेविड राउम उन्हें भुना नहीं सके।

उत्तरी आयरलैंड, जिसने अपने पहले मैच में लक्ज़मबर्ग को हराया था, धीरे-धीरे लय में आया और 34वें मिनट में बराबरी कर ली। जस्टिन डेवेनी के कॉर्नर पर इसाक प्राइस ने शानदार वॉली लगाकर गोल किया। इसके बाद जर्मनी थोड़ा

असमंजस में दिखा और हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। दूसरे हाफ की शुरुआत में पीकॉक-फैरेल ने पास्कल ग्रॉस और राउम के शॉट रोककर जर्मनी को बढ़त लेने से रोका। हालांकि नागेल्समैन के किए गए बदलाव निर्णायक साबित हुए। 60वें मिनट में उतरे नादियम अमीरी ने 69वें मिनट में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल कर टीम को 2-1 की बढ़त दिलाई। सिर्फ तीन मिनट बाद फ्लोरियन विर्ट्ज़ ने फ्री-किक पर बेहतरीन गोल करते हुए मुकाबले का सबसे शानदार पल बनाया और जीत पक्की कर दी। अंतिम समय में उत्तरी आयरलैंड ने आक्रामक प्रयास किए लेकिन जर्मनी की जीत को खतरा नहीं पहुंचा सके। इस जीत के साथ जर्मनी का चार मैचों से चला आ रहा बिना जीत का सिलसिला खत्म हुआ। अब वह 10 अक्टूबर को सिन्सहाइम में लक्ज़मबर्ग की मेजबानी करेगा, जबकि उत्तरी आयरलैंड बेलफास्ट में स्लोवाकिया से भिड़ेगा। मैच के बाद कोच नागेल्समैन ने कहा, हमने शुरुआत अच्छी की और बढ़त भी बनाई, लेकिन बराबरी का गोल मिलने से माहौल थोड़ा बिगड़ गया। आखिरी 30 मिनट में हमारी असली तस्वीर दिखी, उससे पहले खेल थोड़ा अस्थिर था।

डे-नाइट कबड्डी टूर्नामेंट में प्रयागराज की टीम रही विजयी

एजेंसी

मीरजापुर। हलिया विकासखंड के महुगढ़ (समहुती) गांव में डे-नाइट कबड्डी टूर्नामेंट का आगाज़ हुआ। प्रतियोगिता में कुल 14 टीमों ने भाग लिया, जिनमें डेरवा, छानवे, मऊगंज, लालगंज, घोरावल और राजगढ़ समेत विभिन्न क्षेत्रों की टीमें शामिल रहीं। रोमांचक मुकाबलों के बीच फाइनल मैच प्रयागराज और डेरवा की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें प्रयागराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। समापन पर परिणाम घोषित किए गए, जिसमें प्रयागराज की टीम प्रथम, डेरवा द्वितीय और मऊगंज की टीम तृतीय स्थान पर रही। विजेता टीमों को क्रमशः प्रथम पुरस्कार के रूप में 5100, द्वितीय पुरस्कार 3100 और तृतीय पुरस्कार 2100 रुपये नकद प्रदान किए गए। रेफरी की भूमिका बबलू अंसारी और पिंटू मौर्य ने निभाई, जबकि आयोजन हाफिज अंसारी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का संचालन बुद्धि रामपाल और जयकुमार ने कॉमेंट्री के माध्यम से किया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य दिलीप पटेल, इंडियन मानवाधिकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष विजेंद्र पांडे, मोबीन खान, मिठाई लाल, फूलचंद सहित बड़ी संख्या में दर्शक और खिलाड़ी मौजूद रहे।

फिडे ग्रां प्री स्विस 2025: महिला वर्ग में वैशाली संयुक्त बढ़त पर, गुकेश-एरिगैसी की बाजी ड्रॉ

एजेंसी

नई दिल्ली। उज़्बेकिस्तान के समरकंद में चल रहे फिडे ग्रां प्री स्विस शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर के बाद भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. वैशाली महिला वर्ग में संयुक्त रूप से शीर्ष पर बनी हुई हैं। जर्मनी की डिनारा वैगनर के खिलाफ ड्रा खेलने के बाद वैशाली के साथ अब रूस की कैटेरिना लाग्नो भी अंकों में बराबरी पर आ गईं। लाग्नो ने चीन की युक्सिन सॉन्ग को सफेद मोहरों से हराकर संयुक्त बढ़त हासिल की। अब पांचवें दौर में वैशाली और लाग्नो के बीच अहम भिड़ंत होगी, जिसमें वैशाली सफेद मोहरों से खेलेंगी। डिनारा के खिलाफ खेल में वैशाली ने काले मोहरों से ग्रुनफेल्ड डिफेंस अपनाया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी की सटीक तैयारी और

शुरुआती दौर में किए गए त्याग (रूक के बदले ऊँट) ने बाजी संतुलित कर दी। मध्य खेल में क्वीन अदला-बदली के बाद वैशाली के पास जीत का कोई ठोस मौका नहीं बचा और मुकाबला ड्रा हो गया। ओपन वर्ग में भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन ओपन सेक्शन में भारत की दिव्या देशमुख ने शानदार वापसी करते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। उन्होंने मिस्र के जीएम बासेम अमीन को पराजित किया।शीर्ष वरीयता प्राप्त आर. प्रज्ञानानंद को अमेरिका के सबसे कम उम्र के ग्रैंडमास्टर अभिमन्यु मिश्रा ने ड्रा पर रोक दिया। प्रज्ञानानंद के पास एक अतिरिक्त प्यादा था लेकिन मिश्रा ने मजबूत रक्षात्मक चालों से मुकाबला बराबरी पर समाप्त कराया। यह खेल 57 चालों तक चला।विश्व चैंपियन डी. गुकेश और अर्जुन एरिगैसी के बीच ऑल-इंडियन मुकाबला भी ड्रॉ पर समाप्त हुआ। गुकेश के पास हल्का बढ़त का आभास था लेकिन एरिगैसी ने बेहतरीन तैयारी और सही समय पर अदला-बदली करके स्थिति को बराबर कर दिया। खेल 46 चालों के बाद समाप्त हुआ।

मैक्स वेरस्टापेन ने जीता इटैलियन ग्रां प्री, मई के बाद मिली पहली कामयाबी

एजेंसी

मोनज़ा (इटली)। मौजूदा विश्व चैंपियन मैक्स वेरस्टापेन ने इटैलियन ग्रां प्री जीतकर फॉर्मूला-1 में मैकलेरन के दबदबे को धीमा कर दिया। वेरस्टापेन ने पोल पोज़िशन से शानदार शुरुआत करते हुए ऐतिहासिक प्रदर्शन किया और जीत अपने नाम की। रेड बुल के डच ड्राइवर ने लैंडो नॉरिस और चैम्पियनशिप लीडर ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए जीत दर्ज की। शनिवार को क्वालिफाइंग के दौरान वेरस्टापेन ने एफ1 इतिहास का सबसे तेज लैप समय निकालकर पोल हासिल किया था।

हालांकि, वेरस्टापेन के लिए लगातार पांचवां ड्राइवर्स खिताब जीतना मुश्किल माना जा रहा है क्योंकि वह पियास्त्री से 94 अंक पीछे चल रहे हैं। पियास्त्री तीसरे स्थान पर रहे और अब भी कुल अंक तालिका में 31 अंकों से आगे हैं, जबकि नॉरिस दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। इस सीज़न में अब तक मैकलेरन ने दबदबा बनाए रखा है और चार को छोड़कर सभी ग्रां प्री अपने नाम किए हैं। वेरस्टापेन की यह जीत मौजूदा सीज़न की सिर्फ तीसरी कामयाबी है। मई में एमीलिया रोमान्या ग्रां प्री जीतने के बाद इटली में यह उनकी दूसरी बड़ी जीत है। फेरारी के प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए चार्ल्स लेक्लर्क

चौथे स्थान पर रहे। उनके साथी ड्राइवर लुईस हैमिल्टन को पांच स्थान की ग्रिड पेनल्टी के कारण 10वें स्थान से शुरुआत करनी पड़ी, लेकिन शानदार ड्राइविंग के दम पर वे छठे स्थान तक पहुंच पाए। हालांकि, वे अपने पूर्व मर्सिडीज़ साथी जॉर्ज रसेल को पीछे नहीं छोड़ पाए।

विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में भारतीय पुरुष कम्पाउंड टीम ने रचा इतिहास, पहली बार स्वर्ण पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने कोरिया के ग्वांगझू में खेले जा रहे विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा में फ्रांस को हराकर पहली बार स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की भारतीय टीम ने फाइनल में हर पल संयम बनाए रखा और शानदार प्रदर्शन किया। कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा के फाइनल में भारतीय टीम पहले सेट में अपने फ्रांसीसी प्रतिद्वंद्वियों निकोलस गिरार्ड, जीन फिलिप बौल्च और फ्रांस्वा डुबोइस से 59-57 से पिछड़ गयी। हालांकि इसके बाद दूसरे सेट में भारतीय खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए 60-58 के अंतर से जीतते हुए स्कोर बराबर (117-177) कर दिया। तीसरे सेट में दोनों टीमों की ओर से स्कोर बराबर रहा। अंत में चौथे सेट में भारतीय टीम ने 59 का स्कोर बनाया, जबकि फ्रांस की टीम 57 अंक ही बना पायी। इस तरह भारतीय टीम ने दो अंक की बढ़त हासिल करते हुए फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे पहले ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की भारतीय मिश्रित जोड़ी ने कंपाउंड मिश्रित टीम स्पर्धा में रजत पदक अपने नाम किया। भारतीय तिरंदाजी जोड़ी नीदरलैंड के माइक श्लोएसर और सान्ने डे लाट के खिलाफ रोमांचक फाइनल में 155-157 से हार गई।

समाज में कैंसर जागरूकता के लिए डॉक्टरों को समर्पित इंडियन हेल्थकेयर लीग शुरू

एजेंसी

नई दिल्ली। व्हाइटकोट स्पोर्ट्स की ओर से इंडियन हेल्थकेयर लीग (आईएचएल) का अनावरण किया गया है। यह लीग विशेष रूप से डॉक्टरों को समर्पित है। लीग का उद्देश्य डॉक्टरों को खेल के माध्यम से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखना है। साथ ही चिकित्सा जगत और समाज में कैंसर जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत को बढ़ावा देना है। व्हाइटकोट स्पोर्ट्स ने बताया कि शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि इंडियन हेल्थकेयर लीग वास्तव में एक अनूठी पहल है, जो हमें स्वस्थ रखने के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। लीग का मकसद कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ ही डॉक्टरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करना है। यह बदलाव का एक मूवमेंट है। मेरा मानना है कि यह हेल्थकेयर लीग न केवल डॉक्टरों को, बल्कि पूरे समाज को फिटनेस, निवारक स्वास्थ्य और खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

व्हाइटकोट स्पोर्ट्स के सीएमडी डॉ. राहुल मंगल ने कहा कि व्हाइटकोट स्पोर्ट्स में हम डॉक्टर-फर्स्ट की नीति में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। इंडियन हेल्थकेयर लीग न केवल फिटनेस को बढ़ावा देने के बारे में है, बल्कि हमारे समय की दो महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं कैंसर जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने के बारे में भी है। डॉक्टरों को खेल में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान करके हमारा लक्ष्य एक ऐसा प्रभाव पैदा करना है, जहां स्वस्थ डॉक्टर मजबूत समुदायों का नेतृत्व करें। साथ ही यह लीग उन मुद्दों पर जागरूकता भी बढ़ाए जो पूरे भारत में लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं।पहले सीजन में छह फ्रेंचाइजी टीमें शामिलइंडियन हेल्थकेयर लीग के पहले सीजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। ये टीमें दिल्ली अवतार्स, गुजरात लायनहार्ट्स, राजस्थान लेक-सिटी वॉरियर्स, महाराष्ट्र मेड टाइटन्स, हरियाणा जुगर्नॉट्स और उत्तर प्रदेश सुपर किंग्स हैं। शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि पुजारा के साथ कई डॉक्टर भी उपस्थित थे।

डियाजियो का भारत में अपने कारोबार में विस्तार का इरादा

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी शराब कंपनियों में से एक ब्रिटेन की 'डियाजियो' कंपनी धीरे-धीरे भारत में अपना विस्तार कर रही है।कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि डियाजियो भारत में अपनी सहायक इकाई 'डियाजियो इंडिया' के माध्यम से कारोबार रही है और भविष्य में इसका अपने बिजनेस में विस्तार करने का इरादा है। गौरतलब है कि यह कंपनी दुनिया के 180 देशों में कारोबार कर रही है और इसने पिछले वर्ष 27 अरब डॉलर का कारोबार किया था। कंपनी भारत में तेजी से अपना विस्तार कर रही है। डियाजियो के कई फेमस ब्रांड में मैक डॉवैल्स, रॉयल चैलेंज जॉनी वॉकर सिग्नेचर, ब्लैकडॉग, ब्लैक एंड वाइट आदि हैं।कंपनी ने हाल में रॉयल चैलेंज अमेरिकन प्राइड, जॉनी वॉकर ब्लॉन्ड जैसे ब्रांड्स लॉन्च किए और कई छोटी कंपनियों को भी खरीदा है।कंपनी ने शनिवार को गुरूग्राम में रॉयल चैलेंज अमेरिकन प्राइड 'रोडियो नाइट्स' की शुरुआत की और शहर के युवाओं में जोश भर दिया। अमेरिकाना और वाइल्ड वेस्ट की भावना से प्रेरित इस कार्यक्रम में संगीत, गेम्स और नृत्य जबरदस्त संगम देखने को मिला। गुरुग्राम के सोका में आयोजित इस कार्यक्रम को खासतौर पर युवा दर्शकों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया गया था।

एफपीआई ने पहले सप्ताह निकाले 9,431 करोड़ रुपये

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने सितंबर के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से 9,431 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। केंद्रीय डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने बीते सप्ताह इक्विटी में 12,257 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की। डेट को छोड़कर अन्य सभी सेगमेंट में वे बिकवाल रहे। डेट में उन्होंने 3,534 करोड़ रुपये लगाये। आलोच्य सप्ताह में म्यूचुअल फंड में एफपीआई निवेश 742 करोड़ रुपये घट गया। वहीं हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट में उन्होंने 42.38 करोड़ रुपये की निकासी की। यह लगातार चौथा महीना है जब एफपीआई बिकवाली कर रहे हैं। इससे पहले अगस्त में उन्होंने 20,635 करोड़ रुपये, जुलाई में 5,261 करोड़ रुपये और जून में 7,769 करोड़ रुपये निकाले थे। इस साल मार्च और मई को छोड़कर शेष सभी महीने वे बिकवाल रहे हैं। पूरे कैलेंडर वर्ष में उनकी शुद्ध निकासी 51,471 करोड़ रुपये रही थी।

गेहूं-चावल नरम; खाद्य तेलों में घटबढ़, चीनी और दालें भी सस्ती

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह मंदी रही। चावल के औसत भाव गिर गये। गेहूं में भी गिरावट रही। खाद्य तेलों में घटबढ़ देखी गयी जबकि चीनी और दालों में साप्ताहिक नरमी का रुख रहा। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 51 रुपये कम होकर सप्ताहांत पर 3,776.83 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। वहीं, गेहूं करीब सात रुपये सस्ता होकर 2,848.96 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत कमोबेश स्थिर रही और सप्ताहांत पर यह 3,312.11 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। सरसों तेल की औसत कीमत 63 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मूंगफली तेल में करीब 147 रुपये और वनस्पति में 151 रुपये प्रति क्विंटल की साप्ताहिक मंदी रही। सोयाबीन तेल 44 रुपये और सूरजमखी तेल 62 रुपये सस्ता हुआ। वहीं, पाम ऑयल 47 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। बीते सप्ताह दाल-दलहनों के दाम घट गये। चना दाल औसतन करीब 67 रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी। उड़द दाल में 30 रुपये और दाल मूंग में 52 रुपये प्रति क्विंटल की नरमी देखी गयी। तुअर दाल भी 113 रुपये उतर गयी। मसूर दाल में 17 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में लगातार दूसरे सप्ताह नरमी देखी गयी। गुड़ के औसत भाव 19 रुपये प्रति क्विंटल और चीनी के नौ रुपये प्रति क्विंटल टूट गये।

इंडियन बैंक सुरक्षित वेब पोर्टल पर स्थानांतरित हुआ

चेन्नई। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों के अनुसार अपनी कॉरपोरेट वेबसाइट का डोमेन बदलकर 'इंडियन बैंक डॉट बैंक डॉट इन' कर दिया है। पूरी कवायद का मकसद धोखाधड़ी के खिलाफ मजबूत सुरक्षा उपाय करना और डिजिटल बैंकिंग समाधानों में जनता का भरोसा बढ़ाना है। चेन्नई स्थित इस बैंक ने बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान संस्थान (आईडीआरबीटी) के तहत यह पहल की है, जो इस डोमेन का विशेष रजिस्ट्रार है। बैंक ने एक बयान में कहा, 'बैंक डॉट इन' डोमेन विशेष रूप से बैंकों के लिए आरक्षित है और धोखाधड़ी से निपटने, साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने, डिजिटल बैंकिंग में जनता का विश्वास बढ़ाने और ग्राहकों को वास्तविक बैंकिंग वेबसाइटों की पहचान करने में मदद करता है। बयान में कहा गया कि बैंक ने ग्राहकों की सुरक्षा और सुरक्षित डिजिटल बैंकिंग समाधानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए वेबसाइट को एक सुरक्षित डोमेन पर स्थानांतरित कर दिया है।

स्टॉक मार्केट में रचित प्रिंट्स की बड़ी गिरावट के साथ शुरुआत, कमजोर लिस्टिंग के बाद और लुढ़का शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली । मैट्रेस इंडस्ट्री के लिए खास तरह के फैब्रिक तैयार करने वाली कंपनी रचित प्रिंट्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 149 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 119.20 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कंपनी के शेयरों के भाव में और गिरावट आ गई। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे कंपनी के शेयर 114 रुपये के स्तर पर बने हुए थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23.49 प्रतिशत का नुकसान हो चुका है। रचित प्रिंट्स का 19.50 करोड़ रुपये का आईपीओ 1 से 3 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.97 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.25 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 13.09 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी प्लांट और मशीनरी की खरीदारी करने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 32 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.03 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.56 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 12 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 41.78 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

भारत, इजराइल इस हफ्ते द्विपक्षीय निवेश संधि पर कर सकते हैं हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और इजराइल एक द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। ये समझौता इजराइल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच की इस हफ्ते होने वाली भारत यात्रा के दौरान हो सकता है। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में बताया कि इस हफ्ते इजराइल के वित्त मंत्री बेजेल स्मोट्रिच की यात्रा के दौरान

भारत और इजराइल आपस में एक द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने के लिए एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की नींव भी रख सकते हैं। जानकारी के मुताबिक बेजेल स्मोट्रिच इस हफ्ते 8 से 10 सितंबर तक भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वे केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, इजराइली वित्त मंत्री मुंबई और गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी का भी दौरा करेंगे।

ऑडी ने 7.8 लाख रुपये तक घटाये वाहनों के दाम, नई कीमतें 22 सितंबर से होगीं लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। जर्मन लग्जरी कार निर्माता कंपनी ऑडी इंडिया ने सोमवार को भारत में अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 2.6 लाख रुपये से लेकर 7.8 लाख रुपये तक कटौती का ऐलान किया है। नई कीमतें नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर से लागू होगीं। ऑडी इंडिया ने एक बयान में कहा कि जीएसटी की दरों में बदलाव के बाद उसने अपने सभी उत्पाद पोर्टफोलियो की कीमतों में संशोधन किया है, ताकि ऑटोमोबाइल पर जीएसटी कटौती का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाया जा सके। अब ग्राहकों को मॉडल के आधार पर 2.6 लाख रुपये से लेकर 7.8 लाख रुपये तक का लाभ मिलेगा। कंपनी के मुताबिक नई कीमतों के तहत कंपनी की एंट्री-लेवल एसयूवी क्यू3 की शुरुआती कीमत 43.07 लाख रुपये हो जाएगी, जो पहले 46.14 लाख रुपये थी। इसी तरह टॉप-एंड एसयूवी क?यू8 की शुरुआती कीमत 1.18 करोड़ रुपये से घटकर अब 1.1 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसके अलावा एसयूवी क्यू5 और क्यू7 जैसे अन्य मॉडलों के साथ-साथ सेडान ए4 और ए6 की कीमतों में भी कमी की गई है। कंपनी ने कहा कि संशोधित कीमतें लागू होने के बाद ऑडी की लक्जरी कारों और एसयूवी रेंज को और अधिक सुलभ बनाएगी, जिससे त्योहारी सीजन से पहले ग्राहकों की मांग में तेजी आएगी। ग्राहक अपनी पसंदीदा कार की सटीक कीमत जानने के लिए ऑडी इंडिया के नजदीकी डीलरशिप पर जा सकते हैं या कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

अगस्त में सुस्त रही वाहनों की खुदरा बिक्री

एजेंसी

नई दिल्ली। त्योहारी मौसम और जीएसटी में राहत के इंतजार में अगस्त में ग्राहकों ने अपनी खरीद टाल दी जिससे वाहनों की खुदरा बिक्री में सुस्ती देखी गयी।

वाहन डीलरों के महासंघ (फाडा) के सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि अगस्त में यात्री वाहनों (कार, एसयूवी और वैन) की बिक्री अगस्त 2024 के मुकाबले मात्र 0.93 प्रतिशत बढ़ी और कुल बिक्री 3,23,256 इकाई रही। दुपहिया वाहनों में भी 2.18 फीसदी की मामूली तेजी देखी गयी और कुल 13,73,775 वाहन बिके। वाहनों की कुल बिक्री 2.84 फीसदी बढ़कर 19,64,547 इकाई रही।

फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विघ्नेश्वर बताया कि 15 अगस्त को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों की प्रधानमंत्री की घोषणा के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी खरीद टाल दी। हालांकि डीलरों के पास पूछताछ काफी आयी, लेकिन वह बिक्री में पूरी तरह से नहीं बदल सकी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि 22 सितंबर को जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद बड़ी संख्या में ग्राहक खरीद करेंगे। अगस्त में तिपहिया वाहनों की बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 2.26 प्रतिशत घट गयी। वहीं, वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री में 8.55 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गयी। अच्छे मानसून के कारण ट्रैक्टरों की बिक्री में 30.14 प्रतिशत का जबरदस्त उछाल आया।

फाडा का कहना है कि निकट भविष्य में सितंबर में त्योहारी मांग मजबूत रहने की उम्मीद है। अच्छी विकास दर, कम मुद्रास्फीति और अर्थव्यवस्था में स्थिरता मांग को गति प्रदान कर रही है। उसने बताया कि जीएसटी सुधार वाहन उद्योग के लिए गेम चेंजर साबित होंगे।

उसने कहा कि सितंबर में दो तरह की तस्वीरें देखने को मिलेंगी। जीएसटी सुधारों के लागू होने से पहले खरीद में सुस्ती रहेगी जबकि 22 सितंबर से इसमें जबरदस्त तेजी आयेगी।

सर्राफा बाजार में नई ऊंचाई पर सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। आज की तेजी के कारण सोना ने आज एक बार फिर मजबूती के नए शिखर पर अपनी जगह बना ली है। बाजार में आई तेजी के कारण 24 कैरेट सोना 1.08 लाख रुपये के स्तर को पार कर गया है, वहीं 22 कैरेट सोना 1 लाख रुपये के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। सोने की तरह ही चांदी भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगा हो गया है।कीमत में तेजी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज प्रति 10 ग्राम 1,08,460 रुपये से लेकर 1,08,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 99,350 रुपये से लेकर 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,27,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,08,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,08,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,08,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 99,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,08,460 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 99,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,08,460 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 99,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,08,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 99,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,08,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 99,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इजराइली वित्त मंत्री स्मोट्रिच की भारत यात्रा, आर्थिक संबंधों को मजबूत करने पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। इजराइल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान उनका मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय निवेश और आर्थिक सहयोग को और मजबूत करना है। श्री स्मोट्रिच अपने भारतीय समकक्ष और अन्य वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों में हिस्सा लेंगे।

द्विपक्षीय निवेश संधि पर होगी बात

इस यात्रा का एक प्रमुख एजेंडा दोनों देशों के बीच लंबित द्विपक्षीय निवेश संधि को जल्द से जल्द अंतिम रूप देना है। यह संधि दोनों देशों के निवेशकों को एक सुरक्षित और स्थिर कानूनी ढांचा प्रदान करेगी, जिससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा। दोनों ही पक्ष इस संधि पर जल्द हस्ताक्षर करने को लेकर उत्साहित हैं।

तकनीक और व्यापार में सहयोग

स्मोट्रिच की इस यात्रा के दौरान केवल निवेश ही नहीं, बल्कि तकनीक, रक्षा, कृषि और जल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग

बढ़ाने पर चर्चा हो रही है। इस यात्रा को दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

एससीओ व्यापार मंत्रियों की बैठक में भारत ने निर्यात उपायों के दुरुपयोग पर आगाह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने एससीओ बैठक में निर्यात संबंधी उपायों को हथियार बनाने या उनका दुरुपयोग करके कृत्रिम कमी पैदा करने, बाजार को बिगाड़ने या आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करने के प्रति आगाह किया है। वाणिज्?य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि भारत ने छह सितंबर को व्लादिवोस्तोक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के व्यापार मंत्रियों की बैठक में कहा कि अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य में भरोसा बनाए रखने के लिए इन कदमों का संतुलित और पारदर्शी उपयोग जरूरी है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री का प्रतिनिधित्व करते हुए वाणिज्य विभाग के अपर सचिव अमिताभ

कुमार ने बैठक में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) को केंद्र में रखते हुए एक खुली, निष्पक्ष, समावेशी और भेदभाव रहित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। भारत ने यह भी कहा कि व्यापार से जुड़े जलवायु उपायों के चलते अनुचित भेदभाव नहीं होना चाहिए।

मंत्रालय के मुताबिक भारत ने अधिक बाजार पहुंच सुनिश्चित करके और व्यापार सुविधा के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाकर लगातार व्यापार घाटे को दूर करने का भी आह्वान किया। ये टिप्पणियां इसलिए अहम हैं, क्योंकि भारत के वाहन और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को चीन के दुर्लभ पृथ्वी चुम्बक और उर्वरक पर निर्यात प्रतिबंधों के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ा है। चीन भी इस संगठन का सदस्य है।

एससीओ व्यापार मंत्रियों की बैठक में भारत ने निर्यात उपायों के दुरुपयोग पर आगाह किया।

हीरो मोटोकॉर्प ने हर्षवर्द्धन चितले को सीईओ नियुक्त किया, पांच जनवरी को संभालेंगे कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने हर्षवर्धन चितले को अपना अगला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वे 5 जनवरी 2026 को अपना पदभार संभालेंगे। हीरो मोटोकॉर्प ने सोमवार को शेयर बाजार को बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल की मंजूरी के बाद हर्षवर्धन चितले को अपना नया सीईओ नियुक्त किया है। चितले के पास पिछले 3 दशकों से अधिक समय तक वैश्विक नेतृत्व करने का अनुभव है। उनका कार्यकाल 5 जनवरी, 2026 से प्रभावी होगा। कंपनी ने बताया कि चितले के सीईओ का पद संभालने के बाद विक्रम कस्बेकर कार्यवाहक सीईओ का पद छोड़ देंगे। चितले ने सिग्निफाई के प्रकाश समाधानों के व्यवसाय के वैश्विक सीईओ के रूप में काम किया है, जहां उन्होंने 70 देशों में 12,000 कर्मचारियों का नेतृत्व किया। उनके पास औद्योगिक स्वचालन, प्रकाश व्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और डिजिटल परिवर्तन में गहरी विशेषज्ञता है। हीरो मोटोकॉर्प के कार्यकारी चेयरमैन पवन मुंजाल ने एक बयान में कहा, वृद्धि को गति देने, नवाचार को बढ़ावा देने और वैश्विक परिवर्तन का नेतृत्व करने में हर्षवर्धन चितले का उत्कृष्ट रिकॉर्ड उन्हें इस महत्वपूर्ण क्षण में हीरो मोटोकॉर्प के लिए आदर्श नेता बनाता है। हीरो मोटोकॉर्प ने हर्षवर्धन चितले की नियुक्ति ऐसे समय में की है, जब कंपनी ने अगस्त महीने में भारत में दोपहिया वाहनों की बिक्री में शीर्ष स्थान जापान की होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के हाथों खो दिया है।

राजस्थान सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा के लिए आरवीयूएनएल को भूमि आवंटित की

नई दिल्ली। स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए राजस्थान सरकार ने जैसलमेर और बीकानेर जिलों में बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा आधारित पार्कों की स्थापना के लिए राजस्थान बिजली उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) को भूमि आवंटित की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने एक बयान में कहा कि जैसलमेर में

26,400 मेगावाट (मेगावाट) की संयुक्त क्षमता वाले विभिन्न सौर पार्कों के लिए भूमि आवंटन को मंजूरी दी गई है।इसी तरह बीकानेर में 5,200 मेगावाट क्षमता वाले सौर पार्कों के निर्माण को मंजूरी दी गई है। राज्य के टिकाऊ विकास और ऊर्जा सुरक्षा के लक्ष्यों के अनुरूप, ये मंजूरियां नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में राजस्थान की स्थिति को मजबूत करेंगी। शर्मा ने कहा कि यह पहल न केवल राजस्थान को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी बनाएगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

साप्ताहिक शेयर समीक्षा- अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर सकारात्मक संकेतों के सपोर्ट से बढ़त के साथ बंद हुआ स्टॉक मार्केट

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएसटी सिस्टम में किए गए सुधार, घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी और अर्थव्यवस्था में सुधार के संकेतों के कारण पिछले सप्ताह के कारोबार में घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। शुक्रवार 05 सितंबर को खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान सेंसेक्स 901.11 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 80,710.76 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 314.15 अंक यानी 1.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,741 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। बीएसई का लार्ज कैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार में 1.40 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, स्विगी, टीवीएस मोटर कंपनी, जिंदल स्टील और आयशर मोटर्स के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। इसी तरह बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1 सितंबर से 5 सितंबर के कारोबार के बाद 2 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया आदित्य बिरला फैशन एंड रिटेल रेल विकास निगम ब्रेनबीज सॉल्यूशंस और एनएमडीसी के शेयर टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स सबसे अधिक 2.5 प्रतिशत की मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इस इंडेक्स में शामिल वन मोबिक्विक सिस्टम्स, अतुल ऑटो, नेट वेब टेक्नोलॉजीज इंडिया, गुजरात मिनिरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन, जाइडस वेलनेस, विमता

लैब्स, जय कॉर्प, रेटगेन ट्रैवल टेक्नोलॉजीज और हेमिस्फेयर प्रॉपर्टीज इंडिया के शेयर 20 से लेकर 39 प्रतिशत तक की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें, तो पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का मेटल इंडेक्स 6 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। इसी तरह भी बीएसई का ऑटोमोबाइल इंडेक्स 5.2 प्रतिशत की साप्ताहिक मजबूती हासिल करने में सफल रहा। इसके अलावा बीएसई का कंज्यूमर ड्यूरेबल इंडेक्स 3.6 प्रतिशत की साप्ताहिक उछाल के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, बीएसई का आईटी इंडेक्स 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। स्टॉक मार्केट में इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के परफॉर्मेंस की बात करें, तो पिछले सप्ताह भी विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बिकवाली जारी रखी। लगातार 10वें सप्ताह बिकवाली करते हुए विदेशी संस्थागत निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में पूरे सप्ताह के दौरान 5,666.90 करोड़ रुपये के शेयर बेच डाले। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लगातार 21वें सप्ताह खरीदार (बायर) की भूमिका में बने रहे। इस सप्ताह घरेलू संस्थागत निवेशकों ने स्टॉक मार्केट में कुल 13,444.09 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की।

इजराइल के ऐलात स्थित रेमन एयरपोर्ट पर यमन की ओर से ड्रोन हमल में दो घायल, कुछ घंटों बाद उड़ानें फिर बहाल

एजेंसी

ऐलात। दक्षिणी इजराइल के पर्यटन शहर ऐलात के पास स्थित रेमन एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हुआ, जब यमन से छोड़ा गया एक ड्रोन हवाई अड्डे के आगमन हॉल में आकर गिरा। इस हमले में शरापनेल लगने से दो लोग घायल हो गए। इजराइल की राष्ट्रीय एंबुलेंस सेवा मगन डेविड एडोम के अनुसार, घायलों में एक 63 वर्षीय पुरुष और एक 52 वर्षीय महिला शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया।हमले के बाद एयरपोर्ट पर करीब दो घंटे तक उड़ान संचालन रोक दिया गया और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू की। इजराइल एयरपोर्ट प्राधिकरण ने बताया कि सभी सुरक्षा मानकों और वायुसेना की अंतिम मंजूरी मिलने के बाद एयरपोर्ट को फिर से खोल दिया गया है। एयरपोर्ट से जल्द ही पहली उड़ान तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट के लिए रवाना होगी। रेमन एयरपोर्ट, जो जॉर्डन और मिस्र की सीमा के पास रेड सी (लाल सागर) के तटीय शहर इलात में स्थित है, मुख्यतः घरेलू उड़ानों को संभालता है। यहां से इजराइर और आर्किया एयरलाइंस की उड़ानें निर्धारित थीं। आर्किया ने बताया कि यात्रियों और चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं और विमान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। सुरक्षा जांच के बाद कंपनी ने सामान्य संचालन बहाल करने की बात कही।

यूक्रेन पर रूस का सबसे बड़ा हवाई हमला, कीव पर दागे 800 से ज्यादा ड्रोन, कैबिनेट भवन को भी निशाना बनाया

कीव। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर अबतक का सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए शनिवार की देर रात से रविवार सुबह तक 805 ड्रोन और 13 मिसाइलें दागीं। इन हमलों में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए हैं। रूसी हमले में ऐसा पहली बार है कि यूक्रेन सरकार की मुख्य इमारतों को भी निशाना बनाया गया। दमकल कर्मी इन तमाम इमारतों की आग बुझाते हुए देखे गए और पूरे शहर में अफरातफरी का माहौल रहा। कीव पोस्ट के मुताबिक रूसी सेना ने दावा किया है कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों ने 751 लक्ष्यों को रोका या निष्क्रिय किया, लेकिन मिसाइलों और ड्रोनों से देशभर में 37 स्थानों पर हमले किये गए, जिससे कई जगह आग लग गई। इन हमलों में कई आवासीय एवं प्रशासनिक इमारतें नष्ट हुई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार है जब किसी सरकारी मुख्यालय पर हुए हमले में कैबिनेट भवन में आग लग गई। यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि रूस की तरफ से रात भर ऐसे हमलों का सिलसिला जारी रहा। हमलों की शुरुआत ड्रोन से हुई, जो मिसाइल हमलों में बदल गई। रूस के इन हमलों के दौरान भारी दहशत और अफरातफरी की स्थिति देखी गई।

सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की मांग- सोशल मीडिया प्लेटफार्म बंद करने के फैसले पर पुनर्विचार करे सरकार

काठमांडू। नेपाली कांग्रेस (एनसी) ने कई सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने के हालिया फैसले पर सरकार से पुनर्विचार करने की मांग की है। इस संबंध में पार्टी के शीर्ष नेता जल्द ही प्रधानमंत्री ओली से बातचीत करेंगे।नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के आवास पर हुई पार्टी की कार्य संपादन समिति की बैठक में फैसला लिया गया कि इस मुद्दे पर सरकार से बातचीत की जाए। पार्टी के संयुक्त महासचिव डीना उपाध्याय के अनुसार कई नेताओं ने सरकार के इस कदम पर असंतोष व्यक्त किया। उपाध्याय ने कहा कि सोशल मीडिया का नियमन आवश्यक है, लेकिन पूर्ण रूप से बंद करना सही नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही पार्टी के शीर्ष नेता प्रधानमंत्री से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करने वाले हैं। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन नरसिंह केसी ने कहा कि सोशल मीडिया बंद करने के फैसले ने व्यापक रूप से जनता के असंतोष को जन्म दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब सरकार इस तरह के एकतरफा और विवादास्पद निर्णय लेती है, तो नेपाली कांग्रेस को हस्तक्षेप करना चाहिए। केसी ने इस कदम को अनुचित और अलोकतांत्रिक बताते हुए बिना पूर्व परामर्श के संसद में विचाराधीन मुद्दे पर सरकार के इस कदम के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन की भी आलोचना की।

रूसी कैंसर वैक्सीन 'उपयोग के लिए तैयार'

मास्को। कैंसर के इलाज के लिए रूस के वैज्ञानिकों की बनाई कैंसर वैक्सीन उपयोग के लिए तैयार हो गयी है। इस दवा को अब केवल रूसी स्वास्थ्य मंत्रालय से अनुमोदन की प्रतीक्षा है। रशिया टुडे, ने यह जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि यह वैक्सीन कैंसर के रोगियों के लिए आशा की नई किरण बन कर उभरी है। इस दवा ने अपने शुरुआती परीक्षणों में कैंसर में बनने वाली रसौली के आकार और वृद्धि को 80 फीसदी तक कम कर दिया है। रूस की फेडरल मेडिकल-बायोलॉजिकल एजेंसी की प्रमुख वेरोनिका स्क्वोर्त्सोवा के अनुसार, इस नव-विकसित कैंसर वैक्सीन ने शुरुआती परीक्षणों में शानदार परिणाम दिया है और अब यह बाजार में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सरकार की तरफ से हरी झंडी मिलने के बाद इसे रोगियों को दिया जा सकेगा।दवा विकसित करने वाले वैज्ञानिकों ने बताया कि बीते तीन साल से इस दवा के परीक्षण किए जा रहे थे। इन परीक्षणों में काफी बेहतर परिणाम सामने आए हैं। इसके शुरुआती उपयोग कोलोरेक्टल कैंसर के लिए किया जाएगा, इसके बाद ग्लियोब्लास्टोमा और मेलेनोमा के लिए टीके लगाए जायेंगे।

दक्षिणी चीन पहुंचा तूफान तपाह, स्कूल बंद, हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया

एजेंसी

ग्वांगझोउ । इस साल का 16वां तूफान तपाह सोमवार सुबह दक्षिण चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में पहुंच गया। इसको देखते हुए स्कूलों को बंद कर दिया गया और हजारों निवासियों को तूफान से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। ग्वांगडोंग की मौसम विज्ञान वेधशाला के अनुसार, 30 मीटर प्रति सेकंड की अधिकतम गति वाली हवाओं के साथ तूफान सुबह लगभग 8:50 बजे जियांगमेन शहर के एक काउंटी-स्तरीय शहर ताइशान में तट पर पहुंचा। ताइशान के 182 स्कूलों और किंडरगार्टन में लगभग 1,20,000 छात्रों की कक्षाएं स्थगित कर दी गईं, जबकि जियांगमेन में 41,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाया गया। जियांगमेन के मेरीटाइम ब्यूरो ने कहा कि उसने संभावित आपात स्थितियों से निपटने

के लिए 43 स्वयंसेवी समुद्री बचाव दल और 30 जहाज पहले ही तैनात कर दिए। ताइशान में 3,300 से ज्यादा आपातकालीन कर्मी तैयार हैं। पड़ोसी यांगजियांग शहर में अधिकारियों ने सोमवार को स्थानीय निवासियों के लिए आपातकालीन आश्रय स्थल खोल दिए। तूफान से प्रभावित ग्वांगडोंग के कुछ हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश और तेज हवाएं चलीं। समाचार एजेंसी के अनुसार, मौसम विभाग के अधिकारियों का अनुमान है कि तपाह लगभग 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा और धीरे-धीरे कमजोर होता जाएगा। इससे पहले, हांगकांग वेधशाला ने तूफान तपाह के कारण रविवार शाम को सबसे पहले नंबर 8 का संकेत जारी किया था, जो हांगकांग की पांचस्तरीय तूफान चेतावनी प्रणाली के तहत तीसरा सबसे बड़ा अलर्ट है। हांगकांग हवाई अड्डा प्राधिकरण ने सोमवार को लगभग 100 उड़ानें रद्द होने की आशंका है। तपाह के मद्देनजर मनोरंजन पार्क और क्लीनिक बंद हैं। चीन के हैनान प्रांत से आने-जाने वाली क्रॉस-सी ट्रेनों को रद्द कर दिया गया है या उनके मार्ग बदल दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अकेले यांगजियांग शहर में रविवार सुबह 9 बजे तक 26 अपतटीय पवन ऊर्जा प्लेटफार्मों से कुल 1,785 श्रमिकों को निकाला गया था।

फेसबुक-इंस्टा बैन होने पर नेपाल में बवाल : संसद में घुसे युवा प्रदर्शनकारी, पुलिस ने वाटर कैनन, आंसू गैस छोड़ी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर बैन के खिलाफ शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन सोमवार को उग्र हो गया। हजारों की संख्या में जुटे 18 से 30 वर्ष के युवाओं ने संसद भवन का रुख किया और गेट नंबर 1 और 2 पर कब्जा जमा लिया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए वॉटर कैनन, आंसू गैस और कई राउंड फायरिंग का सहारा लिया। इस दौरान हुई झड़प में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, जबकि कई घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, संसद भवन परिसर के बाहर करीब 12

हजार से अधिक प्रदर्शनकारी मौजूद थे। हालात पर काबू पाने के लिए राजधानी काठमांडू समेत आसपास के इलाकों में कर्फ्यू लागू कर दिया गया है और सेना को तैनात कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली सरकार के खिलाफ यह विरोध पहले से ही कई शहरों में चल रहा था। सुरक्षा बलों की सख्त निगरानी के बावजूद प्रदर्शनकारी सोमवार को संसद भवन तक पहुंचने में कामयाब रहे। नेपाल के इतिहास में यह पहला मौका है जब संसद परिसर में युवाओं ने इस तरह की घुसपैठ की है।

शिगेरु इशिबा के इस्तीफे के बाद जापान के पूर्व विदेश मंत्री मोटेगी एलडीपी नेतृत्व की दौड़ में शामिल

एजेंसी

टोक्यो । जापान के पूर्व विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के इस्तीफे के फैसले के बाद सत्तारूढ़ पार्टी के अध्यक्ष चुनाव में भाग लेने की योजना बना रहे हैं। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के भीतर बढ़ते असंतोष के बीच जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार शाम को अपना पद छोड़ने का ऐलान किया था। जुलाई में हुए उच्च सदन के चुनाव में हार के बाद एलडीपी-कोमेइतो गठबंधन ने अपना बहुमत खो दिया था। समाचार एजेंसी ने सोमवार को क्योडो न्यूज के हवाले से खबर दी। क्योडो न्यूज ने पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के हवाले से बताया कि पार्टी की चुनावी हार की जिम्मेदारी लेने की बढ़ती मांग के बीच शिगेरु इशिबा ने यह कदम उठाया। सूत्रों के मुताबिक मुख्य कैबिनेट सचिव योशिमासा हयाशी ने भी चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उम्मीद है कि एलडीपी मंगलवार तक मतदान प्रक्रिया को अंतिम रूप देगी। तोशिमित्सु मोटेगी और योशिमासा हयाशी दोनों पिछले साल की नेतृत्व की दौड़ में शामिल थे। अनुभवी राजनेता मोटेगी एलडीपी के नीति प्रमुख भी रह चुके हैं। अन्य संभावित

दावेदारों में पूर्व आर्थिक सुरक्षा मंत्री साने ताकाइची और कृषि मंत्री शिंजीरो कोइजुमी भी शामिल हैं। जुलाई में हुए चुनाव में एलडीपी को मिली हार 2024 के प्रतिनिधि सभा चुनाव में भी इसी तरह के नतीजों के बाद आई है, जिससे सत्तारूढ़ गुट संसद के दोनों सदनों में अल्पमत में आ गया है। 1955 में एलडीपी की स्थापना के बाद से ऐसा पहली बार हुआ है। इससे पहले खबर आई थी कि पार्टी के प्रेसिडेंशियल चुनाव की वकालत करने वाले सांसद सोमवार को एलडीपी मुख्यालय जाएंगे और अपनी इच्छा व्यक्त करते हुए एक पत्र प्रस्तुत करेंगे। नियम कहते हैं कि अगर पार्टी के अधिकांश सांसद और पार्टी के प्रीफेक्चुरल चैप्टर जल्द चुनाव के पक्ष में हैं तो पार्टी को चुनाव कराना होगा। इशिबा के इस्तीफे के बाद पार्टी को उनके उत्तराधिकारी नामित करने के लिए चुनाव कराना होगा।

एक्स पर नैरेटिव लोग तय करते हैं, मस्क ने पीटर नवारो को दिया जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली । टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने व्हाइट हाउस के सलाहकार पीटर नवारो द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोपेगेंडा फैलाने के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि उनके सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नैरेटिव लोग तय करते हैं। मस्क और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो के बीच यह बयानबाजियां भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद को लेकर विवाद के बीच हुआ।

नवारो ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, भारत केवल लाभ के लिए रूसी तेल खरीदता है। रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण करने से पहले भारत ने तेल की कोई खरीद नहीं की। भारत सरकार की स्पिन मशीन तेज गति से चल रही है। यूक्रेनियों को मारना बंद करो। अमेरिकी नौकरियां छीनना बंद करो। कम्युनिटी नोट्स द्वारा एक्स के फैक्ट चेक ने नवारो के कमेंट को मिसलीडिंग बताते हुए फ्लैग किया और कहा कि भारत की संप्रभु ऊर्जा खरीद अंतरराष्ट्रीय कानून का अनुपालन करती है। नवारो

ने इसके बाद मस्क की क्रैप नोट्स की अनुमति देने के लिए आलोचना की।मस्क ने जवाब दिया, इस मंच पर, लोग ही नैरेटिव तय करते हैं।आप किसी भी तर्क के सभी पक्षों को सुनें। कम्युनिटी नोट्स सभी को सही करता है, कोई अपवाद नहीं। नोट्स डेटा और कोड सार्वजनिक स्रोत हैं। ग्रोक आगे फैक्ट-चेकिंग प्रदान करता है। भारत सरकार ने भी चल रहे विवाद के बीच नवारो के बयानों को खारिज कर दिया और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने उन्हें गलत और भ्रामक बयान बताया। नवारो ने पहले भारत की विदेश नीति की आलोचना की थी, तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में रूसी और चीनी नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया मुलाकातों पर सवाल उठाया था और कहा था कि भारत को रूस के साथ नहीं, बल्कि हमारे साथ रहने की जरूरत है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-अमेरिका संबंधों को एक बेहद खास रिश्ता बताया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की है। ट्रंप चीन के हाथों भारत को खोने वाली अपनी पिछली टिप्पणी से पीछे हटते हुए दिखे और कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी का हमेशा दोस्त बना रहूंगा। इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद, भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने भी जवाब दिया कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करते हैं और उनका पूरा सम्मान करते हैं।

इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम 'फेल', हूती विद्रोहियों ने एयरपोर्ट पर की ड्रोन स्ट्राइक

एजेंसी

यरूशलम। इजरायल हवाई अड्डा प्राधिकरण ने जानकारी दी है कि रामोन एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन सामान्य हो गया है। यमन के हूती विद्रोहियों के ड्रोन हमले के बाद एयरपोर्ट ऑपरेशन को कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हूती विद्रोहियों ने इजरायल के एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला किया था।

इजरायली सेना ने कहा कि एक ड्रोन देश की बहुस्तरीय वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहा और देश के दक्षिणी एयरपोर्ट पर गिरा। इस घटना से एयरपोर्ट की इमारत की खिड़कियों को नुकसान पहुंचा। वहीं, एक व्यक्ति के घायल होने की बात सामने आई। इस हमले के बाद कुछ समय के लिए एयरपोर्ट से फ्लाइट ऑपरेशन्स को रोक दिया गया। इजरायल की मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा ने कहा कि कम से कम दो लोग मामूली रूप से घायल हुए हैं।

उन्हें पास के रिसॉर्ट शहर ऐलात के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इजरायली सेना ने कहा कि वह यमन से किए गए ड्रोन हमले की जांच कर रही है, जिसके कारण विमानों की रवानगी और लैंडिंग लगभग दो घंटे तक रोक दी गई। इस हमले के बाद एक बार फिर इजरायल की एयर डिफेंस सिस्टम पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। हालांकि, इजरायली सेना ने दावा किया कि ड्रोन का पता वायु सेना प्रणालियों ने लगाया था। लेकिन, उस ड्रोन के खतरे को सही से नहीं आंका गया, जिस कारण जवाबी कार्रवाई करने वाले सिस्टम ने खुद को एक्टिवेट नहीं किया। दूसरी तरफ हूती विद्रोहियों ने ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली। एक बयान में हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारी ने हमले की जिम्मेदारी ली। ईरान समर्थित हूती विद्रोही लगातार इजरायल को निशाना बनाते हुए लंबी दूरी की मिसाइल और ड्रोन दाग रहे हैं। उनका दावा है कि इजरायल के गाजा पर हमले को लेकर जवाबी कार्रवाई की जा रही है। इसके जवाब में इजरायल भी लगातार मिसाइल और अन्य हवाई हमले कर रहा है। इजरायल का कहना है कि उसकी तरफ किए गए हवाई हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया जा रहा है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आठ माह में आतंकवादियों ने 605 हमले किए, 138 नागरिक मारे गए और 352 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में इस साल आतंकवादी घटनाओं में तेजी से वृद्धि देखी गई है। साल के पहले आठ महीनों में 605 हमले हुए। इनमें 138 नागरिक मारे गए और 352 घायल हुए। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्रीय पुलिस कार्यालय (सीपीओ) के आंकड़ों में बताया गया है कि इस अवधि के दौरान आतंकवाद से संबंधित मामलों में 351 संदिग्ध आतंकवादियों के नाम दर्ज किए गए। सुरक्षा अभियानों में 32 आतंकवादी मारे गए और पांच अन्य गिरफ्तार किए गए। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि प्रांत के पुलिस बल को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इन हमलों में 79 जवान मारे गए और 130 घायल हुए। अकेले अगस्त में ही पूरे प्रांत में 129 आतंकवादी घटनाएं हुईं। इन हमलों में 17 नागरिकों की जान गई और 51 घायल हुए। इसी महीने, 186 संदिग्धों की पहचान की गई, जबकि मुठभेड़ों में आठ आतंकवादी मारे गए। जिलेवार विवरण से पता चलता है कि अगस्त में बन्नू में सबसे अधिक 42 हमले हुए।

अमेरिका लगा सकता है रूस के खिलाफ नए प्रतिबंध, ट्रंप ने दिए संकेत

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस पर और सख्त प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस के अड़ियल रवैये के चलते यह कदम उठाने की बात कही है। ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि ये नए प्रतिबंध क्या होंगे। वाशिंगटन में एक पत्रकार के सवाल पर कि क्या वह प्रतिबंधों के दूसरे चरण को लागू करने के लिए तैयार हैं, इस पर ट्रंप ने संक्षेप में जवाब दिया, हां, मैं तैयार हूं। हालांकि, उनके इस छोटे से जवाब से यह स्पष्ट नहीं हुआ कि वह किस तरह के नए प्रतिबंधों की बात कर रहे हैं या किन देशों को इसका निशाना बनाया जाएगा। अगस्त के मध्य में जब एक पत्रकार ने उनसे चीन को लेकर सवाल किया (जिसे रूसी तेल खरीदने पर अब तक दंडात्मक टैरिफ

(शुल्क) से छूट मिली हुई है) तो ट्रंप ने जवाब दिया था, मुझे दो या तीन हफ्तों में इस पर कुछ सोचना पड़ सकता है या कुछ करना पड़ सकता है दूसरी ओर, उन्होंने तेल प्रतिबंधों के लिए भारत को ही जिम्मेदार ठहराया था और उस पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगाया था।ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अपनी शांति कूटनीति के तहत तीन सप्ताह पहले एक शिखर सम्मेलन किया था। हालांकि, उन्होंने इस मुलाकात से बड़ी उम्मीदें जताई थीं, लेकिन पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के बीच अभी तक कोई मुलाकात नहीं हुई है और रूस ने यूक्रेन पर अपने हमले तेज कर दिए हैं।

व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक केविन हासेट ने कहा कि रूसी हमलों में वृद्धि के बाद मुझे यकीन है कि आज और कल प्रतिबंधों के स्तर और समय के बारे में बहुत चर्चा होगी। सीबीएस न्यूज के एक इंटरव्यू में नई प्रतिबंधों के समय के बारे में पूछे जाने पर हासेट ने कहा, ÷यह अंततः राष्ट्रपति पर निर्भर करता है। लेकिन हां, यह बहुत निराशाजनक स्थिति है। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रूसी तेल खरीदारों पर प्रतिबंध बढ़ाने का एक संभावित तरीका सुझाया, जिसमें यूरोपीय संघ (ईयू) को अमेरिका के साथ मिलकर माध्यमिक प्रतिबंध लगाने के लिए शामिल करना जुड़ा है, ताकि मास्को पर बातचीत के लिए दबाव बनाया जा सके।

अमेरिका की इमिग्रेशन रेड से दक्षिण कोरिया में हड़कंप, निवेशकों की चिंता बढ़ी

एजेंसी

सियोल/वॉशिंगटन। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में दो दक्षिण कोरियाई कंपनियों द्वारा संचालित एक इलेक्ट्रिक व्हीकल बैटरी प्लांट पर हुई इमिग्रेशन रेड ने सियोल में राजनीतिक और निवेश हलचल पैदा कर दी है। यह छापा ऐसे समय पर पड़ा है जब राष्ट्रपति ली जे म्युंग हाल ही में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिले थे और दोनों देशों के बीच बड़े निवेश समझौते का ऐलान किया गया था।अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिकी एजेंसियों ने प्लांट के निर्माण स्थल से करीब 300 दक्षिण कोरियाई नागरिकों को हिरासत में लिया। इनमें से ज्यादातर हुंडई मोटर और एलजी एनर्जी सॉल्यूशन की संयुक्त परियोजना में काम कर रहे थे। अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ये कर्मचारी किस वीजा श्रेणी के तहत अमेरिका आए थे और क्या उन्हें वहां कार्य करने की वैध अनुमति थी।दक्षिण कोरियाई सरकार ने कहा है कि वह अपने नागरिकों की रिहाई के लिए कूटनीतिक स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है और जैसे ही प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी होंगी, उन्हें स्वदेश लाने के लिए एक चार्टर्ड फ्लाइट भेजी जाएगी। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब सियोल और वॉशिंगटन ने हालिया शिखर बैठक में रणनीतिक गठबंधन और व्यापारिक

साझेदारी को मजबूत करने की कोशिश की थी। इस समझौते के तहत अमेरिका में विस्तार कर रही कोरियाई कंपनियों के लिए 350 अरब डॉलर का फंड बनाया गया है, जिसमें से 150 अरब डॉलर शिपबिल्डिंग सेक्टर के लिए रखे गए हैं। इसके अलावा निजी कंपनियों ने भी अमेरिका में 150 अरब डॉलर के प्रत्यक्ष निवेश का वादा किया है।

फ्रांसीसी संसद में प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव

एजेंसी

पेरिस। फ्रांस में राजनीतिक संकट गहरा गया है। प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ आज फ्रांसीसी संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान होने जा रहा है। विपक्षी दलों द्वारा लाया गया यह प्रस्ताव यदि पास हो जाता है, तो यह सरकार के लिए एक बड़ा झटका होगा और प्रधानमंत्री

को अपने पद से हटना पड़ेगा। अविश्वास प्रस्ताव के चलते राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के सामने बड़ी राजनीतिक चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं। यदि सरकार गिरती है, तो उन्हें तुरंत एक नया प्रधानमंत्री नियुक्त करना होगा और एक स्थिर सरकार बनाने की कोशिश करनी होगी, जो कि मौजूदा राजनीतिक ध्रुवीकरण के माहौल में आसान नहीं होगा इस स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रपति मैक्रों के पास कुछ विकल्प हैं। वह अपनी ही पार्टी या गठबंधन के किसी नेता को प्रधानमंत्री बना सकते हैं। यदि कोई भी विकल्प सफल नहीं होता है, तो अंतिम उपाय के रूप में वह संसद को भंग कर सकते हैं और नए सिरे से चुनाव की घोषणा कर सकते हैं।

यूक्रेन पर रूस के ताजा हमले से अमेरिका में हलचल, ट्रंप ले सकते हैं बड़ा फैसला

एजेंसी

कीव (यूक्रेन)/ वाशिंगटन (अमेरिका)। रूस के यूक्रेन पर अब तक के सबसे बड़े हमले से वाशिंगटन में हलचल तेज हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि वे रूस पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। हालांकि उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। ट्रंप से व्हाइट हाउस से निकलते समय पत्रकारों ने सवाल किया-अब मॉस्को के प्रति क्या इरादा है? ट्रंप ने कहा कि वह बड़ा फैसला लेंगे। यूक्रेन के अखबार कीव पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की इस टिप्पणी के बाद वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा, हम अब इस प्रतिस्पर्धा में हैं कि यूक्रेनी सेना कितने समय तक टिक सकती है, बनाम रूसी अर्थव्यवस्था कितने समय तक टिक सकती है? बेसेंट ने कहा कि यही नहीं, अब अमेरिका रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए यूरोपीय देशों के साथ साझेदारी करने को तैयार है।

जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग प्रमुख से बातचीत की

उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका और यूरोपीय संघ आगे आकर रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर और प्रतिबंध और अतिरिक्त टैरिफ लगाएं तो रूसी अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा जाएगी और मजबूर होकर राष्ट्रपति पुतिन को बातचीत के लिए आगे आना पड़ेगा। बेसेंट ने कहा कि हमले के बाद उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वॉन डेर लेयेन से चर्चा की है। उन्होंने कि हम इस बारे में बात कर रहे हैं कि यूरोपीय संघ और अमेरिका दोनों मिलकर क्या कर सकते हैं। हम रूस पर दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं, लेकिन हमें अपने यूरोपीय सहयोगियों को भी साथ लाने की ज़रूरत है।

अमेरिकी दूतावास ने हमले की निंदा की

इस हमले पर कीव स्थित अमेरिकी दूतावास ने एक बयान जारी कर हमले में एक मां और एक शिशु की बेवजह हत्या और अभूतपूर्व पैमाने पर विनाश की निंदा की है। यूक्रेन के लिए ट्रंप के विशेष दूत कीथ केलॉग ने भी सोशल मीडिया पर लिखा- किसी भी युद्ध में खतरा तनाव का बढ़ना होता है। ऐसा लगता है कि रूस युद्ध को और बढ़ा रहा है। इस युद्ध का सबसे बड़ा हमला कीव स्थित कैबिनेट के कार्यालय पर हुआ है। केलॉग ने इसके लिए रूस को चेताया भी है।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट बोले- कार्रवाई का वक्त आ गया

इस हमले पर कैपिटल हिल में कड़ी प्रतिक्रिया हुई है। रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस (आर-एनसी) ने सोशल मीडिया पर लिखा- राष्ट्रपति ट्रंप तीन हफ्ते पहले पुतिन से मिले थे। तब से, पुतिन अमेरिका के खिलाफ साजिश रचने के लिए अपने साथी सत्तावादियों से मिले हैं। फिर वह अपने अवैध आक्रमण की शुरुआत के बाद से यूक्रेन पर सबसे बड़े हवाई हमले को मंजूरी देने के लिए मॉस्को लौट आए। अब इस झूठे और हत्यारे को रोकने का समय आ गया है। सीनेटर जॉन कॉर्निन (रिपब्लिकन-टेक्सास) ने भी इसी भावना को दोहराया। विदेश नीति पर अग्रणी डेमोक्रेट सीनेटर जीन शाहीन (डेमोक्रेट-न्यू हैम्पशायर) ने रूस तुरंत प्रतिबंध लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा- पुतिन ने निर्दोष यूक्रेनियों पर अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। जब तक ट्रंप कार्रवाई नहीं करते, ये हमले जारी रहेंगे। अब और समय सीमा नहीं बढ़नी चाहिए। रिपब्लिकन कांग्रेसी ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक (रिपब्लिकन-पेंसिल्वेनिया) ने इस हमले को आतंकवादी कृत्य बताया। उन्होंने कहा, यह सैन्य रणनीति नहीं है। यह आतंक है। जानबूझकर और सोची-समझी रणनीति। यूक्रेन की प्रधानमंत्री यूलिया स्विरीडेंको ने रूस के देश पर अब तक के सबसे बड़े हवाई हमले के बाद कैबिनेट भवन के अंदर हुई तबाही दिखाई। इस हवाई हमले में कीव के मध्य भाग में चार लोग मारे गए हैं।

स्थानीय समाचार

सार्वजनिक नशा करने वाले अपराधियों को माननीय न्यायालय द्वारा धारा 355 बीएनएस के अंतर्गत सामुदायिक सेवा की सजा सुनाई गई

जम्मू, 8 सितंबर (हि.स.)। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत एक ऐतिहासिक निर्णय में जम्मू पुलिस चौकी जौरियाँ ने सार्वजनिक नशा करने और अनुचित आचरण के लिए दो व्यक्तियों को दोषी ठहराया। माननीय न्यायालय ने 07-09-2025 को अपना फैसला सुनाया जो सुधारात्मक न्याय की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है।

दोषी व्यक्ति हैं- सनी कुमार पुत्र मिल्खी राम निवासी राख मलाल, तहसील खौर और सचिन कुमार पुत्र राम दास निवासी राख मलाल, तहसील जौरियाँ।

माननीय न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को 05 दिनों की सामुदायिक सेवा की सजा सुनाई जिसके दौरान उन्हें न्यायालय में उपस्थित होना होगा और सामुदायिक सफाई कार्य करना होगा।

यह घटना 07-09-2025 को अखनूर पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में हुई, जहाँ आरोपी नशे की हालत में पाए गए और सार्वजनिक रूप से उपद्रव मचा रहे थे। उन्हें मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया उनकी चिकित्सकीय जाँच की गई और बाद में अखनूर के प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट (जेएमआईसी) के समक्ष पेश किया गया।

माननीय न्यायालय ने पारंपरिक दंडात्मक उपायों से हटकर भारतीय न्याय संहिता की धारा 355 के तहत अपने विवेक का प्रयोग करते हुए सुधारात्मक दंड का विकल्प चुना। आरोपियों को 08-09-2025 से मुंसिफ कोर्ट परिसर अखनूर में पाँच दिनों तक सामुदायिक सेवा करने का निर्देश दिया गया है।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की

कठुआ, 08 सितंबर (हि.स.)। एडीसी बसोहली पंकज भगोत्रा ने बसोहली के वार्ड 11 और 12 का दौरा किया और प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री वितरित की। इस दौरान तहसीलदार बसोहली सागर विश्व कर्मा, सीडीपीओ राकेश कुमार और राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

बातचीत करते हुए एडीसी ने बताया कि बसोहली के वार्ड नंबर

11 और 12 में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से 21 परिवार प्रभावित हुए हैं, जिन्हें राहत सामग्री वितरित की गई है जो रविवार शाम बसोहली पहुँच गई। अधिकारी ने बताया कि इस राहत सामग्री में तिरपाल, टेंट, गद्दा, कंबल, चादर, बाल्टी, घरेलू बर्तन किट, खाद्य सामग्री, साबुन, ब्रश और पेस्ट आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि उप-जिला बसोहली के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित परिवारों तक राहत सामग्री पहुँचाने के लिए पटवारियों को राहत सामग्री के साथ उनके कार्य क्षेत्रों में भेज दिया गया है ताकि राहत सामग्री जल्द से जल्द प्रभावित परिवारों तक पहुँच सके। अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र की कई सड़कें यातायात के लिए खोल दी गई हैं और शेष सड़कों को खोलने का कार्य प्रगति पर है और जिन क्षेत्रों में सड़कें खोल दी गई हैं, वहां राशन, एलपीजी गैस आदि पहुंचाई जा रही है।

पुलिस ने 56 एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को सौंपे

कठुआ, 08 सितंबर (हि.स.)। कठुआ पुलिस ने जन सेवाओं के विस्तार के उद्देश्य से लगभग 10,00,000 रुपये मूल्य के खोए हुए 56 एंड्रॉइड मोबाइल फोन, जिसमें 1 एप्पल आईफोन भी शामिल है बरामद किए है। जिनकी गुमशुदगी की शिकायतें कठुआ जिले के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज थीं। जानकारी के अनुसार एसएसपी कठुआ ने अतिरिक्त एसपी कठुआ, डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर सोमवार को उचित सत्यापन के बाद 56 एंड्रॉइड मोबाइल हैंडसेटों को उनके असली मालिकों को सौंप दिया। ये फोन आईटी सेक्शन डीपीओ कठुआ की समर्पित पेशेवर टीम द्वारा तकनीकी सहायता का उपयोग करके बरामद किए गए हैं। अपने खोए हुए मोबाइल फोन प्राप्त करने पर मालिकों ने बहुत खुशी महसूस की और कठुआ पुलिस और विशेष रूप से एसएसपी कठुआ के प्रति उनके अथक प्रयासों और गुम हुए मोबाइल फोनों का पता लगाने में उनके मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

फूलगोभी की उन्नत किस्में

फूलगोभी की उन्नत और संकर किस्मों की उगाये जाने वाले समय के आधार पर विभिन्न वर्गो में बांटा गया है या यु कहें की अलग-अलग समय के लिए अलग-अलग अनुमोदित किस्में है। इसकी स्थानीय और उन्नत दोनों प्रकार की किस्में उगायी जाती है। इन किस्मों पर तापमान तथा प्रकाश अवधि का बहुत प्रभाव पड़ता है। इसलिए इसकी अपने क्षेत्र की प्रचलित और अधिकतम पैदावार देने वाली किस्मों का चुनाव तथा उपयुक्त समय पर बुआई करना अत्यंत आवश्यक है। यदि अगेती किस्म को देर से और पिछेती किस्म को जल्दी उगाया जाता है, तो दोनों में वनस्पतिक वृद्धि अधिक हो जाती है। परिणामस्वरूप फल छोटे रह जाते है, तथा फल विलम्ब से लगते हैं, जिससे इसके उत्पादन पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। इस आधार पर फूलगोभी को तीन भागों में वर्गीकृत किया गया है, जैसे- अगेती, मध्यम और पछेती समय की किस्में। इस लेख में फूलगोभी की किस्मों एवं उनकी विशेषताएं और पैदावार की जानकारी का उल्लेख किया गया है।

किस्मों की विशेषताएं

पूसा दीपाली- इस फूलगोभी की किस्म को उत्तरी भारत के लिए अनुमोदित किया गया है, विशेषता दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और पंजाब में उगाने के लिए सलाह दी गयी है। शीघ्र तैयार होने वाली किस्म, सघन फल, सफेद फल, मध्यम आकार तथा चिपचिपेपन से बिल्कुल मुक्त होती है। फल कटाई के लिए अक्टूबर के अंत में तैयार हो जाते है।

अर्ली कुंवारी- इस फूलगोभी की किस्म को हरियाणा, पंजाब तथा दिल्ली के लिए अनुमोदित किया गया है। यह बहुत शीघ्रता से पकने वाली किस्म है। फल समतल सतह के साथ अर्धगोल आकार में होते हैं। मध्य सितम्बर से लेकर मध्य

अक्टूबर तक इसकी कटाई की जा सकती है। औसतन पैदावार 8 टन प्रति हेक्टेयर है।

पंजाब जायंट- 26- यह मुख्य मौसम की किस्म है। फल मजबूत, सफेद, मध्यम आकार

शंक्राकार तथा क्रीम सफेद होते हैं। यह कटाई के लिए नवम्बर में तैयार हो जाती है। औसतन पैदावार 25 से 30 टन प्रति हेक्टेयर है।

पूसा स्नोबल- 1- यह फूलगोभी की देर से पकने वाली किस्म है। इसके फल सघन, आकार में मध्यम तथा रंग में बर्फ जैसे सफेद होते हैं। इसकी कटाई जनवरी से अप्रैल तक की जा सकती है। औसतन पैदावार 25 से 30 टन प्रति हेक्टेयर है। यह काली सडन के प्रति संवेदनशील है।

स्नोबल- 16- यह फूलगोभी की किस्म उत्तरी भारत में ठंडी जलवायु वाले क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। यह देर से पकने वाली किस्म है। इसके फल मध्यम आकार के, संगठित तथा आकर्षक सफेद रंग के होते हैं। इसकी कटाई जनवरी से मार्च तक की जा सकती है। औसतन पैदावार 25 से 30 टन प्रति हेक्टेयर है।

पूसा अर्ली सिंथेटिक- यह फूलगोभी की मुख्य मौसम की किस्म है। इसके फल थोड़े क्रीम सफेद एवं सघन होते हैं। इसकी कटाई मध्य दिसम्बर से मध्य जनवरी तक की जा सकती है। औसतन पैदावार 11 टन प्रति हेक्टेयर है।

पंत गोभी- 2- यह फूलगोभी की शीघ्र पकने वाली किस्म है। इसके फल सघन, क्रीम सफेद होते हैं। इसकी कटाई नवमबर से दिसम्बर तक की जा सकती है। औसतन पैदावार 12 टन प्रति हेक्टेयर है।

पंत गोभी- 3- यह फूलगोभी की शीघ्र पकने वाली किस्म है। इसके फल मध्यम आकार के और सफेद संगठित होते हैं। इसकी कटाई अक्टूबर से की जा सकती है। औसतन पैदावार 10 टन प्रति हेक्टेयर है।

दनिया कलिंपोंग- आमतौर पर इसे भारत के पूर्वी भागों में उगाया जाता है। विलंबित मौसम की फसल है। इसके फल मध्य से लेकर बड़े, शघन, आकर्षित और सफेद होते हैं। यह वातावरण में होने वाले उतार चड़ाव के प्रति कम संवेदनशील है। इसकी कटाई जनवरी से अप्रैल तक की जा सकती है। औसतन पैदावार 25 से 30 टन प्रति हेक्टेयर है।

पूसा कार्तिकी- यह भी एक अल्पकालीन किस्म है, फल बंधे हुए अच्छे छोटे आकार के व सफ़ेद रंग के होते है। इसके फल नवम्बर में उपलब्ध हो जाते है। यह लगभग 12 से 13 टन प्रति हेक्टेयर पैदावार देती है। यह किस्म अन्य प्रचलित किस्मों में अच्छी मानी गई है।

पूसा अगहनी- इस किस्म के बीज की बुवाई जुलाई के अंतिम सप्ताह से 15 अगस्त तक की जाती है, फुल बड़े आकार के ठोस व सफ़ेद होते है। यह किस्म 130 दिनों में फल देने शुरू कर देती है। फल नवम्बर से दिसंबर में कटाई के योग्य हो जाते है। यह प्रति हेक्टेयर 15 से 18 टन प्रति हेक्टेयर तक पैदावार दे देती है।

पटना मध्यकालीन- यह बिहार राज्य के लिए अनुमोदित किस्म है, लेकिन इसे उत्तरी भारत में भी उगाया जाता है। फल अधिक बड़े व सुगठित होते है, फल मध्य नवम्बर से मध्य दिसंबर तक उपलब्ध रहते है, यह प्रति हेक्टेयर 15 से 1। टन तक पैदावार दे देती है।

हिसार न- 1- इस किस्म के पौधों की बुवाई अगस्त के दुसरे पखवाड़े में की जाती है। पौधा बड़े आकार वाला होता है, फुल मध्यम आकार के ठोस, सुडौल तथा सफ़ेद रंग के होते है। यह किस्म 130 से 150 दिन में फल देना शुरू कर देती है।

जापानी इम्प्रूव्ड- यह विदेशी किस्म भारत के करीब सभी क्षत्रों के लिए अनुमोदित है। इस किस्म का पौधा छोटा होता है, यह किस्म 100 से 110 दिन में फल देना शुरू कर देती है, इसके फल ठोस हल्के पीले तथा मध्यम आकार के होते है। यह प्रति हेक्टेयर 1। से 19 टन तक पैदावार दे देती है।

फूलगोभी की किस्में

अगेती किस्में- अर्ली कुंआरी, पूसा कतिकी, पूसा दीपाली, समर किंग, पावस, इम्प्रूब्ड जापानी आदि प्रमुख है।

मध्यम किस्में- पंत सुभ्रा, पूसा सुभ्रा, पूसा सिन्थेटिक, पूसा स्नोबाल, के.- 1, पूसा अगहनी, सैगनी, हिसार न- 1 आदि प्रमुख है।

पिछेती किस्में- पूसा स्नोबाल- 1, पूसा स्नोबाल- 2, स्नोबाल- 16 आदि प्रमुख है।

यूटी स्तरीय एपेक्स कमेटी की एचएडीपी पर मध्यावधि समीक्षा बैठक स्कॉस्ट-के में प्रारंभ

श्रीनगर 08 सितंबर। समग्र कृषि विकास कार्यक्रम के लिए केंद्र शासित प्रदेश स्तरीय एपेक्स कमेटी ने शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कश्मीर में 2023-2025 की तीन दिवसीय मध्यावधि समीक्षा बैठक शुरू की।

इस बैठक का उद्देश्य 5012 करोड़ रुपये के कार्यक्रम की प्रगति और शेष अवधि के लिए रणनीतियों का आकलन करना है।

बैठक की अध्यक्षता एपेक्स कमेटी के अध्यक्ष, प्रसिद्ध .षि वैज्ञानिक और आईसीएआर के पूर्व महानिदेशक डॉ. मंगला राय ने की।

इस अवसर पर कृषि उत्पादन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शैलेंद्र कुमार और अन्य सदस्य जैसे सचिव एनएएएस डॉ. पी.के. जोशी, पूर्व निदेशक आईएआरआई डॉ. एच.एस. गुप्ता, स्कॉस्ट-के के उपकुलपति प्रो. नज़ीर अहमद गनई, स्कॉस्ट-जे के उपकुलपति डॉ. बी.एन. त्रिपाठी तथा स्कॉस्ट-जे के पूर्व उपकुलपति डॉ. जे.पी. शर्मा उपस्थित रहे।

बैठक में विभिन्न विभागों के निदेशकों, स्कॉस्ट-

के के निदेशकों और डीन, 29 एचएडीपी परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषकों और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया।

अपने संबोधन में डॉ. मंगला राय ने कार्यक्रम के क्रियान्वयन और प्रभाव को और बेहतर बनाने हेतु कई सुझाव दिए।

एसीएस शैलेंद्र कुमार ने बैठक में बताया कि एपीडी द्वारा विभिन्न पहल की गई हैं। उन्होंने कहा कि एचएडीपी किसानों तक पहुंच रहा है और उन्हें सशक्त बना रहा है।

स्कॉस्ट-के के उपकुलपति प्रो. नज़ीर अहमद गनई ने एपेक्स कमेटी सदस्यों का स्वागत करते हुए एचएडीपी और बैठक के उद्देश्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

मिशन निदेशक एचएडीपी संदीप कुमार ने कार्यक्रम की पहलों पर पिछले दो वर्षों की प्रगति रिपोर्ट समिति के समक्ष रखी।

एपेक्स कमेटी, एचएडीपी की शासी निकाय है जो .षि क्षेत्र के परिवर्तन और किसानों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति सुधारने हेतु व्यापक कृषि विकास रणनीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी करती है।

अगले दो दिनों तक समिति इसी तरह विचार-विमर्श जारी रखेगी ताकि एचएडीपी के सभी लक्ष्यों की सफल प्राप्ति सुनिश्चित हो सके। दिन में पहले, डॉ. मंगला राय के नेतृत्व में समिति सदस्यों ने गांदरबल का क्षेत्रीय दौरा किया। उन्होंने नुनार में सुगंधित पौधों और औषधियों हेतु एफपीओ सुविधा केंद्र तथा स्कॉस्ट-के के वानिकी संकाय का दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य उच्च मूल्य .षि और ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में इन पहलों की प्रगति और संभावनाओं का आकलन करना था।

मोनिका खोसला को राज्य सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया

कठुआ, 08 सितंबर (हि.स.)। शिक्षक दिवस 2025 पर राजकीय माध्यमिक विद्यालय सी कठुआ की नवोन्मेषी शिक्षिका मोनिका खोसला को शिक्षा, नवाचार और सामुदायिक सेवा में उनके असाधारण योगदान के लिए माननीय उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा श्रीनगर के एसकेआईसीसी में राज्य सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया।

कचरे से कठपुतली-आधारित शिक्षण सामग्री बनाने के लिए प्रसिद्ध मोनिका ने कोविड-19 के दौरान शैक्षिक और नैतिक-मूल्यों पर आधारित सामग्री तैयार की है, जिसमें आओ बच्चों तुम्हें सुनाएँ वीडियो, एससीईआरटी की सुनो कहानी फिल्में, और मेगा नामांकन अभियान, शांति यात्रा, माई स्कूल माई प्राइड और जी-20 गतिविधियों के लिए डीएसईजे वृत्तचित्र शामिल हैं। उन्हें डीएसईजे द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया, उन्होंने डीएसईजे की ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से वरिष्ठ कक्षाओं को पढ़ाया है, और निरक्षर महिलाओं को पढ़ाकर समुदायों को सशक्त बनाया है। जिला नोडल अधिकारी के रूप में उन्होंने छात्रों को केंद्र शासित प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए मार्गदर्शन किया है और कठुआ के उपायुक्त से सराहना प्राप्त की है। उन्होंने राष्ट्रीय कला उत्सव (तीन बार), रेड क्रॉस राष्ट्रीय युवा विनिमय, एनसीपीसीआर के बॉर्डर गर्ल्स प्रोग्राम और कुरुक्षेत्र में एनईपी 2020 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में जम्मू-कश्मीर के छात्रों का मार्गदर्शन किया है। वर्तमान में विद्या समीक्षा केंद्र में विषय विशेषज्ञ (अंग्रेजी) और डाइट की संसाधन व्यक्ति, मोनिका पाठ योजनाएँ, वर्कशीट,

बहुविकल्पीय प्रश्न और प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करती हैं। वह एनसीईआरटी, सीसीआरटी और एससीईआरटी-प्रशिक्षित शिक्षिका, एक प्रकाशित कवि और लेखिका, और जेकेएएसीएल की नियमित योगदानकर्ता और जिला एवं संभाग स्तर पर डीआईपीआर प्रतियोगिताओं की विजेता हैं। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (बीए ऑनर्स, एमए अंग्रेजी, बी.एड.) की पूर्व छात्रा, वह ऑलराउंडर के लिए कॉलेज कलर और यूनिवर्सिटी कलर धारक और युवा उत्सवों में पूर्व जोनल सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री हैं। मोनिका ने एनईपी 2020 के करके सीखने और पाठ्येतर गतिविधियों को एकीकृत करने के दृष्टिकोण पर जोर दिया। 2025 के राज्य सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार विजेता के रूप में उनकी मान्यता एक शिक्षक, नवप्रवर्तक, सांस्कृतिक राजदूत और मार्गदर्शक के रूप में उनकी भूमिका की पुष्टि करती है।

राणा ने शेर-ए-कश्मीर शेख मुहम्मद अब्दुल्ला को उनकी 43वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

श्रीनगर, 08 सितंबर (हि.स.)। शेर-ए-कश्मीर शेख मुहम्मद अब्दुल्ला की 43वीं पुण्यतिथि के अवसर पर कैबिनेट मंत्री जावेद अहमद राणा ने श्रीनगर के हजरतबल स्थित दिवंगत नेता की समाधि पर जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और इस महान राजनेता की स्मृति में प्रार्थना की। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक संदेश में मंत्री ने शेख अब्दुल्ला को लोगों के अधिकारों के दूरदर्शी और निडर समर्थक बताया, जिन्होंने अपने लोगों के सम्मान, न्याय और आत्मसम्मान के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक जम्मू और कश्मीर की नींव रखी। राणा ने कहा कि शेख साहब का जीवन धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और विभिन्न समुदायों की एकता के स्थायी आदर्शों का प्रमाण था। उनका संघर्ष केवल राजनीतिक

नहीं था, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण और सांप्रदायिक सद्भाव के मूल्यों में गहराई से निहित था। उनकी विरासत को केवल याद रखना ही नहीं है, बल्कि उसे जीना भी है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि शेख अब्दुल्ला के अपार बलिदानों का सम्मान करने का सबसे अच्छा तरीका एक शांतिपूर्ण, समावेशी और प्रगतिशील जम्मू-कश्मीर के निर्माण के लिए सामूहिक प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि शेख साहब का दृष्टिकोण लाखों लोगों के दिलों में गूंजता रहता है, खासकर हाशिए पर पड़े और कम प्रतिनिधित्व वाले समुदायों के दिलों में, जिनका उन्होंने अथक प्रयास किया। क्षेत्र के युवाओं का आह्वान करते हुए, राणा ने उनसे शेख अब्दुल्ला के आदर्शों से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।